मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 7 अंक 186
मंगलवार, 21 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

पांच पुलिस अफसरों पर चलेगा केस, बदलापुर यौन शोषण के आरोपी के एनकाउंटर पर बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

मुंबई, 20 जनवरी। बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपियों की कथित मुठभेड़ के संबंध में सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट के समक्ष पेश की गई एक मजिस्ट्रेट जांच रिपोर्ट में पाया गया कि आरोपियों की मौत के लिए पांच पुलिसकर्मी जिम्मेदार थे। रिपोर्ट एक सीलबंद कवर में प्रस्तुत की गई थी और न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और नीला गोखले की पीठ द्वारा खुली अदालत में आंशिक रूप से पढ़ी गई थी। अदालत ने कहा कि सरकार रिपोर्ट के आधार पर एफआईआर दर्ज करने के लिए बाध्य है और जानना चाहा कि कौन सी जांच एजेंसी मामले की जांच करेगी।

अदालत ने मामले में एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देते हुए कहा, पुलिस कर्मी स्थिति को आसानी से संभाल सकते थे और बल का प्रयोग उचित नहीं ठहराया जा सकता। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, बंदूक पर मृतक की उंगलियों के निशान नहीं हैं और रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस का यह कहना कि उन्होंने निजी बचाव में गोली चलाई, अनुचित है और संदेह के घेरे में है। इस मामले में अक्षय शिंदे शामिल है, जिस पर बदलापुर में एक स्कूल के शौचालय में दो नाबालिगों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। पुलिस ने जिस तरह से मामले को संभाला, उसे लेकर बदलापुर में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ था।

स्कूल में कार्यरत सफाई कर्मचारी शिंदे को 17 अगस्त को स्कूल के शौचालय में तीन और चार साल की दो लड़कियों का यौन शोषण करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 23 सितंबर को पूछताछ के लिए तलोजा जेल से ले जाते समय कथित पुलिस मुठभेड़ में उनकी मौत हो गई थी।

पुलिस ने दावा किया कि उसने पुलिस वैन में बंदूक छीन ली, गोलीबारी की और जवाबी गोलीबारी में मारा गया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय शिंदे ने अक्षय को गोली मार दी, जबकि गोलीबारी के समय वैन में एपीआई नीलेश मोरे, दो कांस्टेबल और एक पुलिस चालक मौजूद थे।

झारखंड में ट्रक की टक्कर से तीन व्यक्तियों की मौत

सिमडेगा। झारखंड के सिमडेगा में एक ट्रक की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने दी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह दुर्घटना आज शाम केरसई पुलिस थानाक्षेत्र के करंगागुड़ी के पास हुई। उन्होंने बताया कि घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

केरसई पुलिस थाने के प्रभारी रामनाथ राम ने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब तेज रफ्तार ट्रक ने एक मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया, दोपहिया वाहन पर चार लोग सवार थे।

तीन व्यक्तियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोटरसाइकिल दुर्घटनास्थल पर मिली।

मृतकों की पहचान अभिषेक तिग्गा, आशीष लाकड़ा और विक्रम बिलुंग के रूप में हुई है, जिनकी उम्र 20-25 वर्ष थी।

अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग में 1.33 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त

अरुणाचल प्रदेश। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले में लगभग 1.33 करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधांशु धामा ने बताया कि कलाकटंग थाना क्षेत्र के बेचिल्लिंग गांव में छापेमारी के दौरान कुल 1,654.22 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि 10 किलोग्राम के 108 आयताकार पैकेट, 574.22 किलोग्राम वजन वाले 33 बोरे, गांजे को दबाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला 50 टन वजनी हाइड्रोलिक पिस्टन जैक, लोहे का एक ट्रंक, लोहे का फ्रेम और वजन तोलने वाली मशीन जब्त की गई हैं।

उन्होंने बताया कि इन सामग्रियों का उपयोग गांजे को दबाकर उसे पैक करने और छिपाकर आसानी से उसकी ढुलाई करने के लिए किया जाता है।

संजय रॉय को हुई उम्रकैद की सजा, कोलकाता की लेडी डॉक्टर को आज मिला इंसाफ

कोलकता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता की एक सीबीआई अदालत ने संजय रॉय को उम्र कैद की सजा सुनाई है। बीते दिनों कोर्ट की तरफ से सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर 31 वर्षीय ड्यूटी डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या का दोषी ठहराया गया था। सियालदह में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिर्बान दास ने रॉय को पिछले साल 9 अगस्त को अस्पताल में स्नातकोत्तर प्रशिक्षु के साथ बलात्कार और हत्या का दोषी ठहराया था। कड़ी सुरक्षा के बीच रॉय को सुबह करीब साढ़े दस बजे जेल से अदालत ले जाया गया। सियालदह अदालत की किलेबंदी कर दी गई और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए लगभग 500 पुलिसकर्मी की तैनाती की गई।

संजय रॉय को डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न करने और उसकी गला दबाकर हत्या करने का दोषी पाया गया था। न्यायाधीश अनिर्बान दास ने उन्हें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, 66 और 103(1) के तहत दोषी ठहराया था। जज ने संजय रॉय से कहा कि मैंने आपको पिछले दिन बताया था कि आपको किन आरोपों के लिए दोषी ठहराया गया है और आपके खिलाफ कौन से आरोप साबित हुए हैं। संजय राय ने कोर्ट में जज के सामने कहा कि मुझे जबरन साइन करवाया गया, बोलने नहीं दिया गया।

आरजी कर मेडिकल अस्पताल के डॉक्टर तपन प्रमाणिक ने कहा कि आरजी कर बलात्कार और हत्या मामले में कई लोग शामिल थे और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा की गई जांच पूरी तरह से बेकार है। मैं फैसले का स्वागत करूंगा चाहे वह आजीवन कारावास हो या मृत्यु तक फांसी हो। सीबीआई जांच के अनुसार, संजय रॉय मुख्य दोषी हैं, लेकिन मीडिया के माध्यम से सीबीआई की कुछ रिपोर्टें सामने आई हैं कि 68 गतिविधियों को सीसीटीवी द्वारा रिकॉर्ड किया गया था, लेकिन संजय रॉय को छोड़कर किसी की पहचान नहीं की जा सकी। हालाँकि, उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह फैसला आजीवन कारावास या मृत्यु तक फाँसी का होगा तो वह इसका स्वागत करेंगे।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी, भ्रामक विज्ञापन चलाने का आरोप

केरल। केरल की एक अदालत ने भ्रामक विज्ञापनों के मामले में योग चिकित्सक बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और दिव्य फामेर्सी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया है। पलक्कड़ में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट द्वितीय ने व्यक्तिगत उपस्थिति के लिए समन जारी होने के बावजूद अदालत में उपस्थित होने में विफल रहने के बाद 16 जनवरी को वारंट जारी किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता अनुपस्थित है। सभी आरोपी अनुपस्थित हैं। सभी आरोपियों को जमानती वारंट दिया गया है।

यह मामला पतंजलि आयुर्वेद की सहायक कंपनी दिव्य फामेर्सी द्वारा प्रकाशित विज्ञापनों के इर्द-गिर्द घूमता है, जिसने कथित तौर पर ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 का उल्लंघन किया था। विज्ञापनों पर बीमारियों के इलाज के बारे में निराधार दावे करने और एलोपैथी सहित आधुनिक चिकित्सा को अपमानित करने का आरोप है। इसी तरह का एक मामला कोझिकोड में न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट कोर्ट में लंबित है।

पतंजलि और उसके संस्थापकों को अपने विज्ञापनों के कारण पिछले दो वर्षों में कई कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। इस मुद्दे ने तब राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया जब इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) ने पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ याचिका दायर की, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसके विज्ञापनों पर अस्थायी रूप से प्रतिबंध लगा दिया और भ्रामक दावों के लिए अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया। रामदेव और बालकृष्ण के सुप्रीम कोर्ट में पेश होने और उनके सार्वजनिक माफी मांगने के बाद कोर्ट ने पतंजलि को अखबारों में माफीनामा प्रकाशित करने का आदेश दिया। हालाँकि, अदालत ने 1945 के ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स के तहत कड़ी कार्रवाई नहीं करने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना भी की।

सोपोर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़, एक जवान शहीद

सोपोर। जम्मू-कश्मीर के सोपोर में रात भर चली मुठभेड़ के दौरान घायल हुए एक जवान ने सोमवार को दम तोड़ दिया। मुठभेड़ कल रात शुरू हुई जब सुरक्षा बलों ने एक ठिकाने पर छापा मारा, जिसके बाद आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की, जिसके बाद पूरे इलाके में ऑपरेशन चलाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इलाके में एक या दो आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। गोलीबारी के दौरान एक सैनिक घायल हो गया और उसे 92 बेस आर्मी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, घायल जवान ने दम तोड़ दिया। फिलहाल सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके की नाकेबंदी कर दी है और सर्च ऑपरेशन जारी है।

डॉ मनमोहन कों नहीं दी गई सच्ची श्रद्धांजलि : मौर्य

सुरेश गांधी

वाराणसी। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन के बाद अभी उनकी चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई थी, लेकिन उनके स्मारक बनाने का ढोंग किया गया. यह बहुत दुखद है. जबकि कांग्रेस को सच्ची श्रद्धांजलि अगर अर्पित करनी थी तो क्यों नहीं कांग्रेस पार्टी के मुख्यालय का नाम उन पर रखा गया. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी रेखा से बाहर आ गए. जबकि कांग्रेस पार्टी ने तुष्टीकरण करके सत्ता में वापस आना चाहा. भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय रोहनिया में संविधान गौरव अभियान के संबंध में आयोजित संगोष्ठी में सम्मिलित होकर प्रबुद्धजनों को संबोधित किया।

मौर्य ने कहा कि भारत की आन बान शान तिरंगे का मान सम्मान सभी क्षेत्रों में बढा है. ओबीसी समाज से आने वाला व्यक्ति कैसे प्रधानमंत्री बन गया, यह कांग्रेस पार्टी को पच भी नहीं रहा है. निश्चित तौर पर 2047 में भारत विकसित राष्ट्र बनेगा. सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर पलटवार करते हुए वाराणसी में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में भारी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं. इससे अखिलेश यादव को जलन हो रही है. अखिलेश यादव के 2027 में सत्ता में आने की जो उम्मीद है वह 2047 तक खत्म हो चुकी है.

मौर्य ने प्रयागराज में महाकुंभ में लगी आग की घटना पर कहा कि प्रयागराज महाकुंभ अत्यंत भव्य तरीके से चल रहा है। वहां आने वाले श्रद्धालु काशी, अयोध्या समेत विंध्याचल भी जा रहे हैं। रविवार को अचानक से हुई घटना में किसी की लापरवाही हो सकती है। हालांकि इस आग पर तत्काल काबू पा लिया गया। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि कुंभ का मेला सकुशल तरीके से चल रहा है। इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एक राष्ट्रीय बीमारी है, उसका जनता इलाज कर रही है। मिल्कीपुर में होने वाले चुनाव को लेकर कहा कि वहां कमल खिलने जा रहा है और दिल्ली में भी भाजपा सरकार बनाने जा रही है। मौर्य ने कहा कि मनरेगा के तहत 100 दिन रोजगार देने में उत्तर प्रदेश ने पहला स्थान हासिल किया है। उत्तर प्रदेश में मनरेगा योजना के तहत वर्ष 2024-25 में अब तक 3,13,076 परिवारों को 100 दिन रोजगार दिया गया है।

दिल्ली सरकार और केंद्र की लड़ाई में पिस रही है जनता: सचिन पायलट

जयपुर, 20 जनवरी। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार के बीच वर्चस्व की लड़ाई में वहां की जनता पिस रही है। पायलट ने कहा कि दिल्ली में कांग्रेस पार्टी एक बेहतर विकल्प के रूप में उभरी है और दिल्ली विधानसभा चुनाव में जनता कांग्रेस को जनादेश देगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने लोगों को कुछ गारंटी दी हैं। दिल्ली की जनता शीला दीक्षित के नेतृत्व वाली पूर्व कांग्रेस सरकार के तहत हुए विकास को आज भी याद कर रही है। उन्होंने कहा, हम मजबूती से लड़ेंगे और कांग्रेस पार्टी दिल्ली में अच्छा प्रदर्शन करेगी। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया के बारे में कहा कि जब गठबंधन बना था, तब पार्टी नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे लोकसभा चुनाव के लिए सभी दलों को एक साथ लाए और परिणाम अच्छे रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का मुकाबला करने के लिए लिए इंडिया गठबंधन पहले भी मजबूत था और आज भी मजबूत है।

सत्तर सदस्यीय दिल्ली विधानसभा के लिए मतदान पांच फरवरी को होगा और नतीजे आठ फरवरी को घोषित किये जायेंगे।

डॉक्टर और कंपनियों का कपट जाल : दवाओं की कीमत में उछाल

-प्रियंका सौरभ

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फामेर्सी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रुपए का इंजेक्शन बारह हजार में न खरीदना पड़े। हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फामेर्सी के अलावा अन्य दुकानों, जैसे सुपरमार्केट और कियोस्क में बेची जा सकती हैं, उनकी की कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार से हो। ये कीमतें पूरी तरह से स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं, इसलिए आपको एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

देश में दवाओं की कीमत सरकार नहीं बल्कि डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं। कीमत फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज एक एग्जाम्पल है, ऐसा तमाम दवाओं में किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं, 20 साल में 40 हजार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के पास पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से ही एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार डॉक्टर दवाओं के रेट तय नहीं करते। दवाओं के रेट, दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज्यादा से ज्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुजरना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए. दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफैक्चरर की जानकारी, मैन्युफैक्चरिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए, डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है। आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंडर में लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है, लेकिन सैकड़ों फॉमूर्ले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआर पी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदलकर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदलकर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ.दवाएँ बनाने को तैयार हो जाती है, बल्कि मनमानी कीमत भी तय कर देती है। यही नहीं इन कंपनियों से मोबाइल पर ही डील हो जाती है। तभी तो देश भर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा ही रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे है। डॉक्टर और हॉस्पिटल तो खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा, लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाकी मेडिसिन पर कोई खास निगरानी नहीं है।

ये एक गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं।

नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए, की दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फामेर्सी को चुनते हैं। यही नहीं दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाए कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रुपए का इंजेक्शन बारह हजार में न खरीदना पड़े।

डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ, क्या बदलेगा विश्व में

अशोक भाटिया

अगर किसी के महज सत्ता में आ जाने से पूरी दुनिया में इतना भ्रम, संदेह, भ्रम और संदेह पैदा हो गया है तो उस व्यक्ति के लिए यह गर्व की बात है या शर्म की, इस पर चर्चा करना बेमानी है। आज यानी 20 जनवरी को जब डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले रहे हैं तो 'आगे क्या' सवाल का काला साया पूरी दुनिया में फैला हुआ नजर आ रहा है। ट्रंप का व्यक्तित्व ऐसा है कि उन्हें इस पर गर्व होगा। यदि नेता लोगों के मन में आश्वासन का भाव पैदा करने के बजाय भय और आतंक को जन्म देता है और उस पर गर्व करता है तो यह उस समाज के पतन का संकेत है। अमेरिकी समाज अब इस गिरावट का अनुभव करेगा। यह भी माना जाता है कि लोकतंत्र में जनता के फैसले को स्वीकार करना चाहिए और इस राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे को सभी को मीठा मानना चाहिए। हालांकि, जब एक नेता जो पिछला चुनाव हारने के बाद वोट को खारिज कर देता है, जिसका हिंसक विरोध किया गया है और इसके लिए अदालत में दोषी ठहराया गया है, तो उसकी लोकतांत्रिक वफादारी संदिग्ध है इससे इनकार नहीं किया जा सकता। ट्रम्प के साथ ऐसा ही हुआ। अब, अगले चार वर्षों के लिए, सभी धर्मों को उनका होना होगा। पिछले दो महीनों से, ट्रम्प इसे सहन करना शुरू करने से पहले ही आगे क्या होने वाला है, इसकी झलक दिखा रहे हैं। ट्रम्प ने अपनी नीति की दिशा स्पष्ट कर दी है, अमेरिकी बाजार में आने वाले विदेशी सामानों पर व्यापक टैरिफ लगाने से लेकर उन लोगों पर व्यापक प्रतिबंध लगाने तक जो उस देश में प्रवास करना चाहते हैं। वहीं, ट्रंप के नेतृत्व कौशल को तीन मुद्दों पर परखा जाएगा।

इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन, जो अमेरिकी महाशक्ति को चुनौती दे रहा है, तीन मुद्दे हैं जो ट्रम्प के नेतृत्व कौशल का परीक्षण करेंगे, जिनमें से पहला ट्रम्प पहले ही खुद का दावा कर चुका है। उन्होंने कहा, ₹यह केवल इस तथ्य के साथ था कि मैं चुना गया था कि इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष समाप्त होना शुरू हो गया था,₹ उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करने में परीक्षण किया जाएगा कि संघर्ष की लपटें बुझती रहें। यूक्रेन युद्ध पर ट्रम्प की सलाह अभी तक ज्ञात नहीं है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन किसकी बात सुनेंगे। यह असली सवाल है। पुतिन ने अतीत में ट्रम्प को पानी पिलाया है और ट्रम्प की पूर्व-राष्ट्रपति रूस यात्रा के दौरान पुतिन ने उन्हें क्या 'आपूर्ति' की थी। दूसरे, 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में पुतिन का हस्तक्षेप भी सर्वविदित है। तो सवाल यह है कि वह ट्रम्प के लिए कितनी भीख मांगेंगे। यही बात चीन के शी जिनपिंग पर भी लागू होती है। चीन और शी अजीब रसायन हैं। वे न केवल चीन को महाशक्ति बनने में रुचि रखते हैं। घड़ी को तोड़ने के लिए। इसके लिए चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था का आकार इस हद तक बढ़ा लिया है कि आज दुनिया के कई देशों के बाजारों में चीनी उत्पाद बह रहे हैं। नतीजतन, अन्य देशों-विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ व्यापार घाटे नाटकीय रूप से बढ़ गए हैं। इसकी भरपाई के लिए ट्रंप चीनी उत्पादों का आयात और महंगा करना चाहते हैं। इसका मतलब है कि अमेरिकी बाजार में चीनी उत्पादों पर भारी आयात शुल्क लगाना। यह स्पष्ट है कि इस तरह के टैरिफ एकतरफा नहीं होंगे। चीन जवाब में इसी तरह के उपाय करेगा। आज, चीन संयुक्त राज्य अमेरिका का सबसे बड़ा ऋणदाता है। यही है, चीनी सरकार ने एक बड़ा डॉलर खरीदा है या अमेरिकी बॉन्ड में काफी निवेश किया है। चीन इसे हथियार के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। अगर ऐसा होता है, तो दुनिया को एक नए व्यापार युद्ध का सामना करना पड़ेगा।

इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है, यह हमारी आंखों के माध्यम से ट्रंपोदया को देखना है। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत पन्नू की हत्या पर हमारे बदले हुए रुख का 'श्रेय' इस ट्रंपूदया को जाता है। हमारी अब तक की मजबूत स्थिति है कि पन्नू की हत्या में एक भी भारतीय शामिल नहीं है। पन्नू का यह मामला कनाडा के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद सामने आया। कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर हत्या के लिए भारत को सार्वजनिक बयान दिया। विभाग ने निज्जर की हत्या के बारे में बात की और संकेत दिया कि भारतीय द्वारा उसे मारने का प्रयास किया गया था। इसके लिए अमेरिका ने कोना निखिल गुप्ता का नाम आगे रखा। गुप्ता को जून 2023 में प्राग में गिरफ्तार किया गया था और जून 2024 में संयुक्त राज्य अमेरिका को सौंप दिया गया था। हम अमरीकी प्रणाली द्वारा इतने सारे ब्यौरे प्रकट करने से बहुत परेशान थे। अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, जर्मनी आदि एक दूसरे के साथ जासूसी का आदान-प्रदान करते हैं। एक समझौता है कि निज्जर हत्या के सबूत इकट्ठा करने में अमेरिकी एजेंसियां भी शामिल थीं। इसलिए इस मुद्दे पर कनाडा को अमेरिका से दूर करने का हमारा प्रयास विफल रहा। तब यह पता चला कि अमेरिकी एजेंसियों ने सीधे भारत सरकार को फोन किया और बहुत परेशानी पैदा की। अमेरिका द्वारा इस मुद्दे पर एक कदम पीछे हटने से इनकार करने के बाद हमें 'उच्च स्तरीय जांच' की घोषणा भी करनी पड़ी। इस 'उच्च-स्तरीय जांच' की रिपोर्ट हाल ही में सौंपी गई थी, जिसमें आपको 'स्वीकार' करना था कि पन्नू हत्याकांड में एक भारतीय शामिल हो सकता है। यह कोई संयोग नहीं है कि आपको यह स्वीकारोक्ति तब करनी पड़ रही है जब ट्रम्प की ताजपोशी में कुछ दिन बाकी हैं। इस 'उच्च-स्तरीय' समिति ने पाया कि पन्नू हत्याकांड में यह भारतीय 'आपराधिक' पृष्ठभूमि से था। हालांकि, समिति ने यह खुलासा नहीं किया है कि यह भारतीय कौन है। हालांकि, उसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। इसकी सिफारिश 'उच्च-स्तरीय' समिति द्वारा भी की गई है, जिसका अर्थ है कि आपने साजिश में किसी भी तरह की भागीदारी स्वीकार नहीं की और आपने कहा था कि आपने अपनी स्थिति पूरी तरह से बदल दी है और अब हम साजिश में शामिल होने की बात स्वीकार करने से लेकर कार्रवाई की सिफारिश करने तक चले गए हैं। निवर्तमान अमेरिकी राजदूत एरिक ग्रिसेट्टी ने इस बदलाव पर भारत सरकार को बधाई दी और आगे बढ़कर उसकी कूटनीति के घावों पर नमक छिड़कते हुए कहा कि 'हम क्या करना चाहते हैं'। यह करता है। निर्विवाद ट्रम्प को ₹श्रेय₹। यह सज्जन कुछ भी कह सकते हैं और साथ ही कुछ भी कर सकते हैं। इसलिए पता नहीं, अगर उन्होंने कल इस पर कोई सीधी टिप्पणी की, तो हमें बहुत परेशानी होगी। इससे बचने के लिए, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हमने हत्या में भारतीय की संलिप्तता स्वीकार की। ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालने से पहले कहा था कि कनाडा अमेरिका का 51वां राज्य होगा। बयान के पीछे जो भी कारण हो, कनाडा में हलचल मच गई। जस्टिन ट्रूडो, जिन्हें ट्रम्प द्वारा निशाना बनाया गया था, को पद छोड़ना पड़ा। संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में कनाडा का क्षेत्रफल 150,000 वर्ग किलोमीटर से अधिक है। दोनों नाटो के संस्थापक सदस्य हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका कनाडा की घास कैसे ले सकता है जब एक से दूसरे की रक्षा करने की उम्मीद की जाती है? लेकिन अगर ट्रम्प भारी टैरिफ लगाने का सहारा लेते हैं, तो कनाडा सत्ता में आने से पहले ही घुटने टेक देगा और आत्मसमर्पण कर देगा। ट्रंप ने यह भी कहा कि अगर डेनमार्क ने ग्रीनलैंड पर नियंत्रण नहीं छोड़ा तो अमेरिका भारी शुल्क लगाएगा। हालांकि ग्रीनलैंड का 85 प्रतिशत हिस्सा बर्फ से ढका हुआ है, लेकिन यह खनिज संसाधनों से समृद्ध है। ग्रीनलैंड के प्रधान मंत्री एग्रेड ने संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ जाने से साफ इनकार कर दिया है, लेकिन उन्होंने कहा है कि 'हम सहयोग के लिए तैयार हैं'। ग्रीनलैंड की आबादी मुश्किल से 57,000 है। इतने सारे लोगों को हमारे पक्ष में मोड़ना बहुत मुश्किल नहीं है। डेनमार्क निश्चित रूप से जानता है कि ट्रम्प को लेना आसान नहीं है। ट्रम्प ने कार्यालय में अपने पहले कार्यकाल के दौरान मैक्सिकन सीमा के साथ एक दीवार बनाने की धमकी दी है, और पोप द्वारा इसकी आलोचना करने के बाद, ट्रम्प ने उन्हें चेतावनी दी कि ₹आपका इस मुद्दे से कोई लेना-देना नहीं है₹ और उन्हें चीन के गतिरोध को रोकने के लिए पहले मेक्सिको पर नियंत्रण करना होगा। क्योंकि चीन मेक्सिको में अपनी फैक्ट्री में उत्पादन करता है और अमेरिका में बेचता है। इसका मतलब है कि मेक्सिको का सिरदर्द बढ़ जाएगा!

ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि ₹इजरायल और हमास को सत्ता में आने से पहले युद्ध समाप्त करना होगा। ट्रम्प की दरार ऐसी है कि ट्रम्प इजरायल के कट्टर समर्थक हैं। अपने पहले कार्यकाल में, उन्होंने यरूशलेम को इजरायल की राजधानी के रूप में मान्यता दी और अमेरिकी दूतावास को यरूशलेम में स्थानांतरित कर दिया। बिडेन ने रूस और यूक्रेन के संबंध में यूक्रेन की मदद की। ट्रम्प इतना नहीं करेंगे। माना जा रहा है कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन और ट्रंप के बीच अच्छा तालमेल है।

कूटनीतिक दृष्टिकोण से भारत चीन के खिलाफ अमेरिका का सबसे बड़ा सहयोगी हो सकता है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ट्रंप के बीच काफी नजदीकियां हैं, लेकिन ट्रंप ऐसे कदम उठा सकते हैं जो अमेरिका को प्राथमिकता देने की अपनी नीति के कारण भारत को नुकसान पहुंचाएंगे। अपने पहले कार्यकाल में, ट्रम्प ने हार्ले-डेविडसन मोटरसाइकिलों पर भारत के उच्च टैरिफ पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कई भारतीय सामानों पर उच्च कर लगाया था। ट्रम्प अब भारत पर रक्षा सौदों में अमेरिका को प्राथमिकता देने के लिए दबाव डाल सकते हैं। ल-1इ वीजा के मुद्दे पर ट्रम्प की सख्त नीति का निश्चित रूप से भारत पर सबसे बड़ा प्रभाव पड़ेगा। क्या ट्रम्प इस सब पर भारत को कोई रियायत देते हैं, इस पर वर्तमान में बहस चल रही है, लेकिन यह सच है कि चीन के संदर्भ में भारत की उम्मीदें 'दुश्मन दुश्मन हमारा दोस्त है' के आधार पर मजबूत हैं। दक्षिण - पूर्व एशिया में भू-राजनीतिक नजरिये से भारत की अहम भौगोलिक स्थिति के बारे में अमेरिका जानता है। उसे पता है कि भारत अपने दम पर आर्थिक ताकत बना है। चीन के बढ़ते दबाव को देखते हुए ट्रंप के पास एक ही चारा है, भारत के साथ व्यापार बढ़ाना और अमेरिकी कंपनियों का निवेश कराना।साथ में विकासप्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विश्व बंधुत्व की अवधारणा को जी -20 और ग्लोबल साउथ - 77 देशों के आयोजन में बड़ी सफलता मिली है। यह दिखाता है कि भारत और अमेरिका मिलकर संयुक्त राष्ट्र (वठड) और अन्य वैश्विक मंचों पर कैसे लाभ उठा सकते हैं।

लेकिन यह कहना मुश्किल है कि ट्रम्प कब ट्रम्प हैं। 78 साल की उम्र में, उन्होंने चुनाव में 200 से अधिक अभियान रैलियां आयोजित करके दिखाया है कि वह युवा हैं। उन्होंने अपने सहयोगियों को भी चुना है। एलन मस्क, जिनका चेहरा कंपनी स्पेस एक्स के स्टारशिप के पतन के बाद भी नहीं हिला है, ट्रम्प के साथ हैं। उन्होंने न्यायपालिका को चेतावनी दी है कि ₹राष्ट्रपति के पास सभी प्रकार की शक्ति है₹। उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह के लिए केवल चुनिंदा देशों को आमंत्रित किया है, यहां तक कि पाकिस्तान को भी नहीं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की गोद में खेल रहा है।

औषधीय पौधा है आक

-रमेश सर्राफ धमोरा

कुछ पेड़-पौधे ऐसे हैं जिनसे हम कई चमत्कारिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इन पेड़ों-पौधों में आक का पौधा भी शामिल है। आक एक औषधीय पौधा है। इसको मदार, आक, अर्क और अकौआ भी कहते हैं। इसे जानवर भी नहीं खाते है। यह बंजर भूमि में भी आसानी से उग आता है। इसके फल से गर्म तासीर की कोमल चिकनी रूई निकलती है। इसमें विषाक्त दूध भरा होता है।

इसका वृक्ष छोटा और छत्तादार होता है। पत्ते बरगद के पत्तों समान मोटे होते हैं। हरे सफेदी लिये पत्ते पकने पर पीले रंग के हो जाते हैं। इसका फूल सफेद छोटा छत्तादार होता है। फूल पर रंगीन चित्तियां होती हैं। फल आम की तरह होते हैं जिनमें रूई निकलती है। आक की शाखाओं में दूध निकलता है। वह दूध विष का काम देता है। आक गर्मी के दिनों में रेतिली भूमि पर होता है। चैमासे में पानी बरसने पर सूख जाता है।

दुर्गम रेतीले टीलों में जहां मीलों दूर तक पेड़ की छांव नसीब नहीं होती हैं। उन जगहों पर आक का पौधा खूब फलता फूलता हैं। राजस्थान के थार मरूस्थल के अलावा आक का पौधा दक्षिण मध्य भारत के गर्म और शुष्क वातावरण में खुले और समतल मैदानों में पाया जाता हैं। आक के पत्ते मोटे और चिकने होते हैं तथा पत्तों के पृष्ठ भाग पर हल्का सफेद आवरण होता हैं जो कि हाथ से रगड़ने पर उतर जाता हैं। आक का पौधा प्राय हर मौसम मे हरा भरा रहने के कारण यह रेगिस्तान का सदाबहार पौधा कहलाता हैं।

आक चार प्रकार के होते हैं (1) श्वेतार्क अर्थात सफेद आक (2) रक्तार्क व लाल आक (3) लाल आक का ही दूसरा प्रकार है जो ऊंचाई में सबसे छोटा और सबसे विषैला होता है (4) पर्वतीय आक। यह पहाड़ी आक पौधे के रूप में नहीं, बेल के रूप में होता है जो उत्तर भारत में बहुत कम किन्तु महाराष्ट्र में पर्याप्त मात्रा में होता है। लाल जाति का आक सर्वत्र सुलभता से प्राप्य है। गुणों की दृष्टि से औषध के रूप में दोनों प्रकार के आकों का प्रयोग होता है। दोनों में कुछ समान गुण भी मिलते हैं किन्तु श्वेत अर्क में अधिक उत्तम गुण होने से आयुर्वेद में यह वनस्पति दिव्य औषध मानी जाती है। लाल आक इसके समान तो नहीं किन्तु यह भी गुणों का भंडार है। जितना लाभ इस पौधे से वैद्यों और भारतीय चिकित्सकों ने तथा रसायनशास्त्रियों ने पहले उठाया था उतना किसी द्वितीय औषध से नहीं उठाया ।

आक भारत का एक प्रसिद्ध पौधा है जो आयुर्वेद के शास्त्रों में जानी मानी औषधी है। जिसे छोटे-छोटे वैद्य तथा ग्रामीण अनपढ लोग भी जानते हैं और औषध रूप में प्रयोग भी करते हैं । भारत में आक के पौधे सब स्थानों पर मिलते हैं पर ऊंचे पर्वतों पर ये नहीं मिलते। आक का पौधा चार फीट से लेकर पन्द्रह फीट तक की ऊंचाई में देखने को मिलता है। यह ऊंची शुष्क मरुभूमि में अधिक होता है। ऊसर भूमि में उत्पन्न होने के कारण अरबी में इसको ऊसर कहते हैं।

आक के पौधे शुष्क, उसर और ऊंची भूमि में प्रायः सर्वत्र देखने को मिलते हैं। इस वनस्पति के विषय में साधारण समाज में यह भ्रान्ति फैली हुई है कि आक का पौधा विषैला होता है। यह मनुष्य को मार डालता है। इसमें किंचित सत्य जरूर है क्योंकि आयुर्वेद संहिताओं में भी इसकी गणना उपविषों में की गई है। यदि इसका सेवन अधिक मात्रा में कर लिया जाये तो, उल्टी दस्त होकर मनुष्य की मृत्यु हो सकती है। इसके विपरीत यदि आक का सेवन उचित मात्रा में, योग्य तरीके से चतुर वैद्य की निगरानी में किया जाये तो अनेक रोगों में इससे बड़ा उपकार होता है।

आक के पौधों का सबसे बड़ा फायदा है कि उनसे हमें ऑक्सीजन गैस प्राप्त होती है। इसके अलावा प्राकृतिक दृष्टिकोण से भी पेड़-पौधों का सर्वाधिक महत्व है। इनके बिना वातावरण को सन्तुलित किया ही नहीं जा सकता। हर परिस्थिति में हरियाली हमारे लिए फायदेमंद ही है। इन फायदों के साथ ही शास्त्रों के अनुसार कई धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व भी बताए गए हैं।

ज्योतिष के अनुसार जिस घर के सामने या मुख्यद्वार के समीप आकड़े का पौधा होता है उस घर पर कभी भी किसी नकारात्मक शक्ति का प्रभाव नहीं पड़ता है। इसके अलावा वहां रहने वाले लोगों को तांत्रिक बाधाएं कभी नहीं सताती। घर के आसपास सकारात्मक और पवित्र वातावरण बना रहता है जो कि हमें सुख-समृद्धि और धन प्रदान करता है। ऐसे लोगों पर महालक्ष्मी की विशेष कृपा रहती है और जहां-जहां से लोग कार्य करते हैं वहीं से इन्हें धन लाभ प्राप्त होता है।

आक का सूर्य से विशेष सम्बन्ध है। गर्मी में जब पृथ्वी सूर्य के निकट आ जाती है और सूर्य की भयंकर गर्मी से तपने और जलने लगती है, जोहड़, तालाब, बावड़ी सब का जल सूख जाता है। बड़ वृक्ष सूखने लगते हैं, तब यही पौधा है जो मरुभूमि में भी खूब फलता और फूलता है। यह आग्नेय प्रधान पौधा उस भयंकर उष्णकाल में खूब हरा भरा रहता है।

शास्त्रों अनुसार आंकड़े के फूल शिवलिंग पर चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं और अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके फूल सामान्यतरू सफेद रंग के होते हैं। विद्वानों के अनुसार कुछ पुराने आकड़ों की जड़ में श्रीगणेश की प्रतिकृति निर्मित हो जाती है जो कि साधक को चमत्कारी लाभ प्रदान करती है। आक का हर अंग दवा है, हर भाग उपयोगी है। यह सूर्य के समान तीक्ष्ण तेजस्वी और पारे के समान उत्तम तथा दिव्य रसायनधर्मा हैं। कहीं-कहीं इसे वानस्पतिक पारद भी कहा गया है।

विषैला आक की जाति सबसे छोटी होती है अर्थात इसका जो पौधा ऊंचाई में सबसे छोटा होता है उसको विद्वान लोग सबसे विषैला मानते हैं। यह मरुभूमि में ही होता है। अधिक विषैले की पहचान यह है कि उस आक के पौधे का दूध निकालकर अपने नाखून पर उसकी दो-चार बूंदें टपकायें। यदि दूध बहकर नीचे गिर जाये तो कम विष वाला है और यदि दूध वहीं अंगूठे के नाखून पर जम जाये तो अधिक विषैला है। अधिक विषैले दूध को सीधा खिलाने की औषध में प्रयोग नहीं करना चाहिये, अन्य भस्म आदि औषध बनाने में इसका प्रयोग कर सकते हैं।

आक के फल देखने में अग्रभाग में तोते की चोंच के समान होते हैं। इसीलिए आक का एक नाम शुकफल है। ये फल ज्येष्ठ मास तक पक जाते हैं। इनके अंदर काले रंग के दाने वा बीज होते हैं और बहुत कोमल रूई से ये फल भरे रहते हैं। इसकी रूई भी विषैली होती है ।फल का औषध में बहुत न्यून उपयोग होता है। क्षार बनाने वाले आक के पंचांग में फल को भी जलाकर औषध में उपयोग लेते हैं। चक्षु रोगों, कर्ण रोगों, जुकाम, खांसी, दमा, चर्मविकारों में, विष्मज्वर, वात और कफ के रोगों में इसके पुष्प, पत्ते, दूध, जड़ की छाल सभी का उपयोग होता है। इस पौधे की पत्ती को उल्टा कर के पैर के तलवे से सटा कर मोजा पहन लें। रात में सोते समय निकाल दें। एक सप्ताह में आपका सुगर सामान्य हो जायेगा। बाहर निकला पेट भी कम हो जाता है। काफी लोग इस उपयोग से लाभान्वित हो रहे हैं।

मुफ्त की होड़ में दिल्ली के बुनियादी मुद्दे गायब?

-ललित गर्ग

सड़क से लेकर सीवर तक, पर्यावरण से लेकर विकास तक दिल्ली के बुनियादी मुद्दे की जगह मुफ्त की सुविधाओं की होड़ ने दिल्ली के चुनाव को जिन त्रासद दिशाओं में धकेला है, वह न केवल दिल्ली बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के लिये एक चिन्ता का बड़ा सबब बन रहा है। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी -तीनों दलों ने अपने-अपने घोषणापत्र जारी किए हैं लेकिन उसमें दिल्ली से जुड़े जरूरी एवं बुनियादी मुद्दों के स्थान पर नगद एवं मुफ्त की सुविधाओं के ही अंबार लगे हैं। दिल्ली चुनाव में अधिकांश बहस तरह-तरह की मुफ्त सुविधाओं की अप्रासंगिक और अवांछित विषयों पर केंद्रित है। जल्दी ही दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे देश की राजधानी के चुनाव में इससे बेहतर की उम्मीद थी। चूंकि जरूरी मुद्दें नहीं उठ रहे हैं इसलिए भाषा भी निम्नस्तरीय बनी हुई है, दोषारोपण एवं छिद्रान्वेषण ही हो रहा है।

राजनीतिक दलों द्वारा अप्रासंगिक मुद्दों पर बात करने की एक खास वजह चुनावों की प्रक्रिया में मुफ्त की सुविधाएं एवं नगद राशि का बढ़ता आकर्षण है। भाजपा दिल्ली को विकसित एवं अत्यंत आधुनिक राजधानी बनाना चाहती है तो उसके लिए यह अवसर था कि वह अपनी भावी योजनाओं और भविष्य के खाके पर बात करती, लेकिन वह भी महिलाओं एवं मतदाताओं को आकर्षित करने के लिये बढ़-चढ़कर मुफ्त संस्कृति का सहारा ले रही है। कांग्रेस के लिए यह मौका था कि वे उन क्षेत्रों को रेखांकित करती जिनमें आप सरकार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकी। वे मतदाताओं के समक्ष बेहतर विकल्प भी प्रस्तुत कर सकती थी। कांग्रेस को चाहिए था कि वह शीला दीक्षित के दौर में हुए दिल्ली के विकास को चुनावी मुद्दा बनाती, दिल्ली को पेरिस बनाने की बात को बल दिया जाता, लेकिन उसका प्रचार अभियान मुफ्त की सुविधओं के इर्दगिर्द ही घूम रहा है, जो एक विडम्बना एवं त्रासदी ही है।

यह दुर्भाग्य की बात है कि दिल्ली चुनाव में ऐसा कुछ नहीं हो रहा है जो दिल्ली की बड़ी समस्याओं का समाधान करता हो। दिल्ली के मतदाताओं को मोटे तौर पर व्यक्तिगत हमले सुनने को मिल रहे हैं और ऐसे मुद्दों पर बात हो रही है जो दिल्ली को आगे ले जाने वाले एवं विकसित राजधानी बनाने वाले नहीं हैं। भारत को तेज आर्थिक विकास की आवश्यकता है, दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश की राजधानी के चुनाव को इसके लिए पूंजी, पर्यावरण और ऊर्जा की टिकाऊ वृद्धि सुनिश्चित करने पर केंद्रित रहना चाहिए। इससे जुड़ा एक मसला रोजगार तैयार करने का है। सबसे अहम मुद्दा दिल्ली का विकास एवं प्रदूषण मुक्त परिवेश का है। लेकिन सभी राजनीतिक दल इन मुद्दों से हटकर फ्री की सुविधाओं पर ही केन्द्रित है, भला दिल्ली में अच्छे दिन कैसे आयेंगे एवं विकास की तस्वीर कैसे बनेगी? कभी-कभी लगता है समय का पहिया तेजी से चल रहा है जिस प्रकार से घटनाक्रम चल रहा है, वह और भी इस आभास की पुष्टि करा देता है। पर समय की गति न तेज होती है, न रुकती है। हां चुनाव घोषित हो जाने से तथा प्रक्रिया प्रारंभ हो जाने से जो क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं हो रही हैं उसने ही सबके दिमागों में सोच की एक तेजी ला दी है। प्रत्याशियों के चयन व मतदाताओं को रिझाने के कार्य में तेजी आ गई है, लेकिन जनता से जुड़े जरूरी मुद्दों पर एक गहरा मौन पसरा है। न गरीबी मुद्दा है, न बेरोजगारी मुद्दा है। महंगाई, बढ़ता भ्रष्टाचार, बढ़ता प्रदूषण, राजनीतिक अपराधीकरण एवं दिल्ली का विकास जैसे ज्वलंत मुद्दे नदारद हैं।

दिल्ली की मानसिकता घायल है तथा जिस विश्वास के धरातल पर उसकी सोच ठहरी हुई थी, वह भी हिली है। पुराने चेहरों पर उसका विश्वास नहीं रहा। अब प्रत्याशियों का चयन कुछ उसूलों के आधार पर होना चाहिए न कि मुफ्त की संस्कृति और जीतने की निश्चितता के आधार पर। मतदाता की मानसिकता में जो बदलाव अनुभव किया जा रहा है उसमें सूझबूझ की परिपक्वता दिखाई दे रही है लेकिन फिर भी अनपढ़ एवं गरीब मतदाता फ्री की सुविधाओं पर सोचता है और अक्सर उसी आधार पर वोट देता है। जबकि एक बड़ा मतदाता वर्ग ऐसा भी है जो उन्नत सड़के, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर देखना चाहता है। उसके लिये यमूना में बढ़ता प्रदूषण भी चिन्ता का एक कारण है। समय पर जल आपूर्ति न होना भी उसकी समस्याओं में शामिल है। चूंकि मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग योग्यता और व्यापक जनहित के मुद्दे पर नहीं करता, इसलिए वह मुफ्त की संस्कृति में डूबा है। इसलिये उसके जीवन स्तर में कोई उल्लेखनीय सुधार नहीं आता है, विकास तो बहुत पीछे रह जाता है।

सब दल और उनके नेता सत्ता तक येन-केन-प्रकारेण पहुंचना चाहते हैं, लेकिन जनता को लुभाने के लिये उनके पास बुनियादी मुद्दों का अकाल है। जबकि दिल्ली अनेक समस्याओं से घिरी है, लेकिन इन समस्याओं की ओर किसी भी राजनेता का ध्यान नहीं है। बेरोजगारी एक विकट समस्या है, पर क्या कारोबार और निजी उद्यमों को बढ़ाए बिना केवल सरकारी नौकरियों के सहारे दिल्ली के युवाओं को रोजगार दिया जा सकता है? क्या सरकारी नौकरियां ही रोजगार हैं? क्या आप अपने कारोबार में किसी को उसकी उत्पादकता की परवाह किए बिना नौकरी पर रखना चाहेंगे? मगर सरकारी नौकरियों में यही होता है। क्या यह आम जनता के करों के पैसे का सही उपयोग है? जनता के मतों का ही नहीं, उनकी मेहनत की कमाई पर लगे करों का भी जमकर दुरुपयोग हो रहा है। राजनेताओं द्वारा चुनाव के दौरान मुफ्त बांटने की संस्कृति ने जन-धन के दुरुपयोग का एक और रास्ता खोल दिया है। हमारे चुनावी लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडम्बना यही है कि बुनियादी मुद्दों की चुनावों में कोई चर्चा ही नहीं होती। मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त शिक्षा, मुफ्त चिकित्सा, महिलाओं के खातों में नगद सहायता पहुंचाने से लेकर कितनी तरह से मतदाता को लुभाने एवं लूटने के प्रयास होते हैं। न हवा शुद्ध, न पानी शुद्ध, सड़कों पर गड्ढे- इनके कारणों की कोई चर्चा नहीं। आप सरकार के दावों के बावजूद दिल्ली की शिक्षा एवं चिकित्सा की हालत जर्जर है।

दैनिक उत्तरशक्ति के भिवंडी प्रतिनिधि आचार्य सूरजपाल यादव का उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर होगा सत्कार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा भिवंडी द्वारा 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस कामतघर स्थित मोतीराम दादाजी काटेकर मैदान में आयोजित किया गया है । इस अवसर पर 20 वर्षों से पत्रकारिता के साथ समाजसेवा में विशेष योगदान देने वाले भिवंडी निवासी आचार्य सूरजपाल यादव को सम्मानित किया जायेगा । बताते कि उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष मंगेश यादव द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर समाज में विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान देकर अपनी पहचान बनाने वाले लोगों को सम्मानित किया जाना निश्चित किया गया है । जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के लोगों का चयन किया गया है । इसी तरह पत्रकारिता के साथ समाजसेवा में विशेष योगदान देने वाले आचार्य सूरजपाल यादव को सम्मानित किया जाना निश्चित किया गया है ।

वडालदेवी रोड गायत्री नगर से दुर्गा होटल तक कांक्रीट रोड का संतोष शेट्टी के हाथों हुआ शुभारंभ

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के वडालदेवी रोड गायत्री नगर के दुर्गा होटल व आस पास क्षेत्र में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा एम एम आर डी ए की तरफ से आई निधि के द्वारा कांक्रीट रोड का शुभारंभ पूर्व नगरसेवक संतोष शेट्टी के हाथों किया गया । बतादें कि उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री काल में संतोष शेट्टी ने प्रयास करके एम एम आर डी ए द्वारा निधि पास कराई गयी थी । लोकसभा व विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता के कारण काम की शुरूआत नहीं हो पायी थी जिसका आज संतोष शेट्टी व स्थानीय नागरिकों द्वारा नारियल तोड़ कर किया गया । वही स्थानिकों द्वारा शाल पुष्पगुच्छ देकर संतोष शेट्टी का स्वागत किया गया । इस अवसर पर आडेप नारायण , दत्तू मुश्नोरी , आडेप श्रीनिवास , कोडम लक्ष्मीपति , शिवराजम कटकम , सतीष पुजारी , राकेश पटवारी आदि लोगों के साथ भारी संख्या में महिला पुरुष उपस्थित थे ।

आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने आयशर प्रो एक्स रेंज लॉन्च की

मुंबई। वीई कमर्शियल व्हीकल्स की व्यावसायिक इकाई आयशर ट्रक्स एंड बसेस ने अपनी इलेक्ट्रिक फर्स्ट छोटे व्यावसायिक वाहनों (एससीवी) की रेंज आयशर प्रो एक्स भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में लॉन्च की। कंपनी की यह नवीनतम रेंज, तेजी से बढ़ रहे 2 से 3.50 टी सेगमेंट में, आयशर का शानदार प्रवेश है, जो अंतिम कड़ी के परिवहन की जरूरतों को पूरा करने और इसे बढ़ावा देने के आयशर के ध्येय को अंगीकृत करता है। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड के एमडी और सीईओ श्री विनोद अग्रवाल ने कहा, हमने हमेशा से उद्योगों को नवाचार युक्त बेहतरीन उपाय देने की हमारी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और लाइट और मीडियम ड्यूटी ट्रक्स में मजबूत पकड़ की अपनी विरासत का फायदा उठाते हुए, इस नई सीरीज को बनाया है। हमारे ग्राहकों के साथ मिलकर उनकी जरूरत के अनुरूप बनाया गया आयशर प्रो एक्स, स्मॉल कमर्शियल व्हीकल के क्षेत्र में नए झंडा गाढ़ देगा। यह हमारे मूल सिद्धांत नई सोच, नए रास्ते का ही मूर्त रूप है। हमारे देश की विकसित भारत की इस यात्रा में हमारा एससीवी सेगमेंट बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और आयशर प्रो एक्स अंतिम कड़ी के लॉजिस्टिक्स में क्रांति लाने में वाहक होगा।

रामायण सांस्कृतिक केंद्र अयोध्या में राम मंदिर उद्घाटन की पहली वर्षगांठ मना रहा है

मुंबई/पटना। 22 जनवरी, 2024 को भारत अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन के साथ एक महत्वपूर्ण अवसर का साक्षी बना, जो लाखों भक्तों की दशकों लंबी यात्रा का समापन था। इस ऐतिहासिक क्षण ने न केवल एक लंबे समय से प्रतिष्ठित सपने को पूरा किया, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के पुनरुद्धार की भी शुरुआत की। जैसा कि दुनिया 2025 में राम मंदिर की पहली वर्षगांठ का जश्न मना रही है, चंद्रशेखर बावनकुले की पहल से स्थापित नागपुर के कोराडी मंदिर परिसर में स्थित रामायण सांस्कृतिक केंद्र, सांस्कृतिक संरक्षण और शिक्षा के एक प्रकाश स्तंभ के रूप में उभर कर भगवान राम के मूल्यों और आदर्शों को सम्मान देने के लिए तैयार है। इस शुभ अवसर पर कोराडी मंदिर में एक विशेष भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस आयोजन में स्थानीय भजन मंडलियों ने प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करते हुए भक्तिमय वातावरण बनाया। भजन संध्या में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में विशेष रूप से मंदिर के विश्वस्त मंडळ की उपस्थिति रही, जिन्होंने भक्तों को राम मंदिर के ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व के बारे में बताया। दर्शनार्थियों के लिए कोराडी मंदिर परिसर में स्थित रामायण सांस्कृतिक केंद्र इमर्सिव प्रदर्शनियों, इंटरैक्टिव प्रतिष्ठानों और शैक्षिक कार्यशालाओं के माध्यम से रामायण की कालातीत शिक्षाओं को जीवंत करता है।

फॉरएवरमार्क का विशेष ऑफर, 1 लाख रुपये के आभूषण की खरीद पर मिलेगा 18 कैरेट गोल्ड आइकन चार्म

मुंबई/पटना। अपने प्राकृतिक और सुंदर डायमंड ज्वैलरी डिजाइनों के लिए जाना जाने वाला ब्रांड फॉरएवरमार्क नए साल में प्यार के अपने अनमोल पलों का जश्न मनाने के लिए ग्राहकों को कुछ खास देना चाहता है। फॉरएवरमार्क 2025 में ग्राहकों के लिए एक विशेष ऑफर के साथ प्यार का जश्न मना रहा है। अब से 16 फरवरी 2025 तक, जो ग्राहक ?1 लाख या उससे अधिक मूल्य के आभूषण खरीदेंगे, उन्हें 18 कैरेट गोल्ड आइकन चार्म मिलेगा। ब्रांड के संग्रह, जिसमें अवंती, मिलमोई, आइकॉन और ट्रिब्यूट शामिल हैं, को दुर्लभ और जिम्मेदारी से सोर्स किए गए फॉरएवरमार्क हीरों से सजाया गया है। 18kt गुलाबी, पीले और सफेद सोने में उपलब्ध, इन संग्रहों में हार, झुमके, कंगन और अंगूठियां शामिल हैं, जो अपने सुरुचिपूर्ण डिजाइन और असाधारण शिल्प कौशल के लिए जाने जाते हैं। फॉरएवरमार्क के विपणन उपाध्यक्ष तोरंज मेहता ने कहा, फॉरएवरमार्क डायमंड ज्वैलरी के साथ जोड़ा गया गोल्ड आइकन चार्म, इस नए साल में हर मील के पत्थर को और अधिक विशेष और यादगार बनाने का एक आदर्श तरीका है।

पालघर जिले के किसानों ने बारामती में आयोजित कृषि प्रदर्शनी का किया अवलोकन

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के विभिन्न कार्यकारी सेवा सहकारी समितियों के पदाधिकारी एवं प्रायोगिक कृषकों का अध्ययन दौरा दि.ठाणे जिला केंद्रीय सहकारी बैंक लिमिटेड संचालक नागेश गजानन पाटील के नेतृत्व में बारामती में आयोजित कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

कृषि में अनुसंधान के उपयोग को आम किसान तक पहुंचाने के प्रयास किये जाने चाहिए। अगले बजट में कृषि अनुसंधान और किसानों के विकास के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जायेगा। इसके लिए समय हो तो देश के कृषि मंत्री शिवराज चौहान से निवेदन करके खेती के लिए मदद मिल सकती है। बारामती में एक पशु चिकित्सा महाविद्यालय बनाने का प्रयास किया जायेगा। जिला एवं तहसील कृषि अधिकारियों ने भी इस प्रदर्शनी को देखने का सुझाव दिया। गन्ना क्षेत्र में व्यापक परिवर्तन करना होगा। कम पानी में गन्ने की फसल कैसे उगायी जा सकती है, प्रति एकड़ उत्पादन कैसे बढ़ाया जा सकता है, गन्ने में चीनी की मात्रा कैसे अधिक हो सकती है, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक को अपनाना होगा। यह उदगार उद्घाटन समारोह के अध्यक्ष व महाराष्ट्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने व्यक्त किये। कृषि, उद्योगों, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जा रहा है। देश के पूर्व कृषि मंत्री शरद पवार ने उम्मीद जताई कि कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा

उपयोग किए जा रहे अनुसंधान और नई तकनीक केवल बारामती तक सीमित नहीं होनी चाहिए, इसे पूरे राज्य के किसानों तक बढ़ाया जाना चाहिए। कृषि में आधुनिकता लाने के लिए ऐसी प्रदर्शनी का दौरा करना किसानों के लिए बहुत फायदेमंद है। सांसद सुप्रिया सुले, कृषि मंत्री माणिकराव कोकाटे, पशुपालन मंत्री पंकजा मुंडे, सांसद सुनेत्रा पवार, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के संचालक डॉ. अजीत जावकर, कृषि विकास ट्रस्ट के ट्रस्टी प्रतापराव पवार, ट्रस्टी राजेंद्र पवार आदि उपस्थित थे।इस उद्घाटन के बाद सेवा सहकारी सोसायटी के पदाधिकारियों एवं प्रायोगिक किसानों ने कृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस प्रदर्शनी में सब्जी, फलों के पेड़, फूलों की खेती, उर्वरक, बीज, उपकरण, कीटनाशकों, दवाओं के उपयोग, नई कृषि प्रौद्योगिकियों, मशीनरी, उपकरण, फसलों की उन्नत किस्मों की जानकारी, कृषि प्रसंस्करण उद्योग में नई तकनीकों की जानकारी दी गई तथा किसानों को संवाद के लिए मार्गदर्शन उपलब्ध कराया गया था।

कृषि में आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रसार, तकनीकी प्रशिक्षण, कृषि बाजार, अनुसंधान एवं विकास, किसान विशेषज्ञ संवाद, ट्रैक्टर, थ्रेशिंग मशीन, पंप सेट, जैविक उर्वरक, औषधियां, खाद्य प्रसंस्करण, विशेषज्ञों की सलाह एवं मार्गदर्शन तथा सरकारी योजनाओं पर सत्र आयोजित किये गये। प्रदर्शनी देखने वालों में बैंक के पूर्व संचालक जगन्नाथ पावड़े, एच.एन. वर्तक, दिलीप वैद्य, सुरेश पाटील, प्रा. संजय घरत, मधुकर पाटील, अरविंद कवली, महेश घरत, चंद्रकांत घरत, सुरेश घरत, किशोर राऊत, सुशीला सावे, सोनल राऊत, बाबूराव पाटील, नरहरी किनी, बलिराम पाटील, भरत पाटील, गंगाराम घरत, जयेंद्र पाटील, किशोर पाटील, मनोहर पाटील , नीलेश राऊत, नरेश पाटील, प्रमोद पाटील, रमाकांत सोगले, संदीप पाटील, विष्णु गडग, पुंडलिक पवार, राजेश गावड, महेश वर्तक, पद्माकर पाटील, उमेश सातवी, अरविंद देसले, दिनेश पाटील, संतोष सातवी, मंगल पाटील, विष्णु राबडे, अशोक पाटील आदि शामिल रहे।

महाकुंभ के अवसर पर लोक गायक सुरेश शुक्ल का एल्बम रिलीज

मुंबई (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ के अवसर पर लोक गायक सुरेश शुक्ल ने एक विशेष गीत चलके कुंभ का दर्शन कर लो तैयार किया है। सोशल मीडिया पर जारी इस एलबम का पोस्टर महानगर के श्री सिद्धिविनायक मंदिर में जारी किया गया। इस मौके पर श्री सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना आयुक्त वीरेंद्र सिंह, महाराष्ट्र भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के सचिव विजय सिंह व लोक गायक सुरेश शुक्ल मौजूद थे।

इसका संगीत सुरेश शुक्ल ने तैयार किया है जबकि गीतकार सुभाष पांडे हैं।

जीएम मोमिन डिग्री कॉलेज में सतत विकास के लिए जैव रासायनिक दृष्टिकोण पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। मुंबई विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में तथा जीएम मोमिन वीमेंस कालेज के रसायन विज्ञान,जैव प्रौद्योगिकी एवं अंतःविषय अध्ययन विभाग और रसायन विज्ञान शिक्षक संघ (एसीटी) के सहयोग से सतत विकास की दिशा में जैव रासायनिक दृष्टिकोण विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कालेज सभागार में आयोजित किया गया।उद्घाटन भाषण डॉ. तबस्सुम शेख (प्राचार्य जीएम मोमिन वीमेंस डिग्री कालेज)ने दिया । मुख्य अतिथि डॉ. विजय नरखंडे (संयुक्त निदेशक उच्च शिक्षा, कोकण क्षेत्र) ने सतत विकास में अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल और समर्थन का उल्लेख किया और कालेज की छात्रा के भौतिक विज्ञान में स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।विशेष अतिथि प्रोफेसर डी.वी. प्रभु ने सतत विकास में रसायन विज्ञान की भूमिका पर व्याख्यान दिया । डॉ. राजेंद्र शिंदे ने अनुसंधान संस्थानों और सतत विकास में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला । मुख्य भाषण भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बीएआरसी), मुंबई के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. शरद काले ने दिया । अपने संबोधन में उन्होंने सतत

विकास को सुनिश्चित करने के लिए जैव-रासायनिक तरीकों को अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया । केएमई सोसाइटी के सचिव दानियाल काजी ने सम्मेलन के आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की तथा समस्त कॉलेज स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर सोसायटी के पूर्व अध्यक्ष तल्हा फकीह, फहद बुबेरे,जुबैर नरविल ,उजैर फकीह, नाजिम नासीकर ,बासित पटेल, सरवर पटेल और कॉलेज की चेयरपर्सन सहबा पठान उपस्थित थीं ।प्रथम सत्र का समापन सम्मेलन की संयोजक एवं रसायन विज्ञान विभागाध्यक्ष जयश्री ठाकरे के धन्यवाद के साथ हुआ । दूसरे सत्र की अध्यक्षता डॉ. डी.वी. प्रभु ने की जिसमें मुंबई विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चक्रदेव, डॉ. शालिनी आर्य और डॉ. वासुदेव जाम्ब्रे ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए। इस सम्मेलन में 250 से अधिक लोगों ने भाग लिया और 73 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किये गये । इनमें से सर्वश्रेष्ठ चार शोधपत्रों को पुरस्कार भी प्रदान किए गया । सम्मेलन के समापन सत्र में प्रिंसिपल तबस्सुम शेख ने सभी का स्वागत किया तथा अतिथियों और आयोजन समिति के सदस्यों का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया । कल्पना जैन (प्रिंसिपल) रॉयल कॉलेज) ने समापन भाषण देते हुए सतत विकास को और अधिक एकीकृत बनाने पर जोर दिया । रूसा के निदेशक प्रमोद पर्रिकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अलमाज फकीह ने सम्मेलन के सफल आयोजन पर बधाई दी । समापन समारोह में दानियाल काजी और साहिल कुआरी भी उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन डॉ. शाजिया मोमिन, आयोजन सचिव (रसायन विज्ञान विभाग) के आभार प्रदर्शन के साथ हुआ ।

मुंबई उत्तर भारतीय युवा परिषद द्वारा आयोजित युवाओं के समस्या समाधान संबंधित कार्यक्रम संपन्न

ठाणे (उत्तरशक्ति)। ठाणे पश्चिम येउर हिल्स स्वानंद बाबा आश्रम में उत्तर भारतीय युवा परिषद ने एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया ।जिसमें पूरे मुंबई के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं के विचारों का आदान-प्रदान करना, संवाद स्थापित करना और आने वाले कल के लिए सामूहिक रूप से काम करने की योजना बनाना था ।इस आयोजन में लगभग 200 प्रतिभागी उपस्थित थे, और मंच पर 12 से 15 युवा नेता मौजूद थे जिन्होंने सभी को संबोधित किया। इन नेताओं ने युवाओं को प्रेरित करने वाले विचार प्रस्तुत किए और उनकी समस्याओं पर चर्चा की ।रोजगार के अवसर युवाओं ने वर्तमान में रोजगार से जुड़ी चुनौतियों और समाधान पर अपने विचार साझा किए ।स्वास्थ्य सेवाएँ ,स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और सभी को सुलभ करने पर चर्चा हुई ।जीवन की विभिन्न समस्याएं जैसे शिक्षा, तकनीकी कौशल विकास और महिलाओं की सुरक्षा पर भी विचार विमर्श हुआ ।युवाओं के बीच संवाद का एक सकारात्मक माहौल बना ।नए विचारों और दृष्टिकोणों को सुनने और

समझने का अवसर मिला ।एक-दूसरे से संपर्क बढ़ाने और टीमवर्क को बढ़ावा देने की पहल की गई ।कार्यक्रम के अंत में उत्तर भारतीयों के पसंदीदा भोजन लिट्टी-चोखा का आनंद लिया गया, जिसने कार्यक्रम को एक खुशनुमा समापन दिया। यह कार्यक्रम युवाओं के बीच एकता, सहयोग और प्रगतिशील दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में सफल रहा। सभी प्रतिभागियों ने भविष्य में ऐसे और कार्यक्रम आयोजित करने की सहमति व्यक्त की ।अभिषेक मिश्रा और जितेन गिरी की कुशल आयोजन क्षमता के कारण यह कार्यक्रम एक बड़ी सफलता साबित हुआ।

भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर आदर्श विद्यालय के अंतर्गत जिला परिषद स्कूल कालीधोंड भवन का उद्घाटन

पालघर(उत्तरशक्ति)। भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर आदर्श विद्यालय योजना के तहत महाराष्ट्र में 477 स्कूलों का चयन किया गया है। इस चयन में जिला परिषद विद्यालय कालीधोंड को डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर मॉडल स्कूल के रूप में चुना गया। क्यों कि इस स्कूल में लगातार उत्तीर्ण होने वालों की संख्या बढ़ने के साथ ही साथ बुद्धि परीक्षा में 2019 से लगातार बच्चे मेरिट लिस्ट में आ रहे हैं। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बोरसे और पूर्व जिला परिषद सदस्य ठाणे खरपड़े, लगातार अनुवर्ती कार्रवाई के साथ स्थानीय स्वशासन के अंतर्गत विद्यालय योजना महाराष्ट्र सरकार द्वारा भारत रत्न डॉक्टर बाबासाहेब अम्बेडकर आदर्श के तहत जिला परिषद विद्यालय कालीधोंड स्कूल पर ध्यान दिया। इसके बाद समिति ने कई भौतिक सुविधाओं पर विचार किया। इस विद्यालय में कक्षा पहली से दसवीं तक की कक्षाएं संचालित की जाती हैं, जिसमें कुल सीटों की संख्या 357 है। इस गुणवत्तापूर्ण

स्कूल पर सरकार ने ध्यान देते हुए भवन की मंजूरी दे दी । नवनिर्मित विद्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर विद्यालय के स्नातक शिक्षक भाऊसाहेब शेटे ने अतिथियों का स्वागत करने के पश्चात प्रास्ताविक भाषण दिया। विद्यालय भवन का उद्घाटन पूर्व जिला परिषद सदस्य खरपड़े, स्कूल प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बोरसे, पुराना जव्हार सरपंच नीलेश भोये, उपसरपंच संजय भोये के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सदस्य राजेश पांडे, गंगू जोगारी स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य फरले , महाराष्ट्र राज्य सरकार पुरस्कार विजेता भाऊसाहेब शेटे, ग्राम विकास अधिकारी घेगड़, प्रिंसिपल मुकणे, लक्ष्मी ठाकरे, सूर्यवंशी, किरण कुवरा, इंगले, जेएसडब्ल्यू शिक्षिका योगिता बोम्बडे, जयश्री भोये, बाल पंचायत की छात्रा भावना गुंड, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बोरसे ताई, आंगनवाड़ी छात्र, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य, अभिभावक एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे।

डाबर हनीटस ने 'खांसी जब, हनीटस तब' अभियान शुरू किया

मुंबई। सर्दी कई लोगों के लिए साल का सबसे प्रतीक्षित और आकर्षक मौसम है। लेकिन तापमान में बदलाव से मौसम बदल जाता है और ठंड बढ़ जाती है जिस सेखांसी और सर्दी की समस्या भी बढ़ जाती है। इसे ध्यान में रखते हुए, भारत की नंबर 1 आयुर्वेदिक कफ सिरप डाबर हनीटस ने एक नया टीवी अभियान 'खांसी जब हनीटस तब लॉन्च किया है। अभियान इस बात पर प्रकाश डालता है कि डाबर हनीटस उनींदापन पैदा किए बिना प्रभावी ढंग से खांसी से राहत देता है, जिससे लोगों को अपनी दैनिक गतिविधियां निर्बाध रूप से जारी रखने में मदद मिलती है। नए अभियान में बताया गया है कि कैसे बच्चे, छात्र या पेशेवर- वे सभी अपनी परेशान करने वाली खांसी से छुटकारा पाना चाहते हैं, लेकिन नींद आने और महत्वपूर्ण काम छूट जाने से भी डरते हैं। अभियान इस बात पर जोर देता है कि हनीटस कई अन्य कफ सिरप से जुड़ी उनींदापन के बिना खांसी और गले की जलन से प्रभावी ढंग से राहत देने के लिए एक विश्वसनीय समाधान है। बिना नींद वाली राहत प्रदान करके, हनीटस यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति सक्रिय और केंद्रित रह सकें, अपने दैनिक कार्यों और जिम्मेदारियों को निर्बाध रूप से प्रबंधित कर सकें। यह एक विश्वसनीय हर्बल उपचार है जो आराम और दक्षता प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो लोगों को अपनी खांसी की चिंताओं को दूर करते हुए निर्बाध रूप से अपना जीवन जीने की अनुमति देता है। श्री अजय सिंह परिहार, वीपी मार्केटिंग, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, सर्दियों के साथ हमें खांसी और गले में जलन जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है जो आमतौर पर तापमान में अचानक बदलाव के कारण होती हैं। हालाँकि, अधिकांश कफ सिरप से नींद आ सकती है, और इसलिए उपभोक्ताओं को डर है कि ऐसे कफ सिरप लेने से वे महत्वपूर्ण कार्य करने से चूक जाएंगे। इसलिए, हमने डाबर हनीटस के प्रभावी लेकिन नींद न आने वाले फॉमूर्ले के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए यह अभियान शुरू किया है, जो सर्दी के मौसम में खांसी और गले की जलन से लड़ने में सक्षम बनाता है। यह 100% आयुर्वेदिक, गैर-अल्कोहल और गैर-नींद लाने वाला फॉमूर्ला है जो शहद, तुलसी, अदरक, मुलेठी, शुंठी और बनापशा जैसी सामग्रियों से बना है जो पूरे परिवार के लिए सुरक्षित और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करता है।

के.सी.एन.क्लब द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित अंतर विद्यालयीय बुद्धि परीक्षण कार्यक्रम संपन्न

पालघर (उत्तरशक्ति / अजीत सिंह) । जिले के बोईसर शहर (प.) संजय नगर स्थित ज्ञान सागर इंग्लिश मीडियम स्कूल में राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटिजन्स नीड़ क्लब (केसीएन क्लब) राष्ट्रीय कमेटी के मार्गदर्शन में महाराष्ट्र महिला कमेटी मीरा सृजन द्वारा 20 जनवरी दिन सोमवार सुबह 10 बजे मकर सक्रांति व गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में मेधावी छात्रों के प्रोत्साहन हेतु अंतर वि?द्यालय बु?द्धि परीक्षण परीक्षा तृतीय का आयोजन किया गया। ज्ञात हो कि जिले के वि?द्यालयों में शिक्षा प्राप्त कर रहे मेधावी छात्रों के मानसिक उन्नति व परीक्षण हेतु राष्ट्रीय सेवाभावी संगठन नोइंग सिटीजन्स नीड क्लब द्वारा अतर विद्यालयीय बु?द्धि परीक्षण परीक्षा तृतीय (इंटर स्कूल आई क्यु टेस्ट इक्जाम) का आयोजन लगातार किया जा रहा है। जिसमे बालक बालिका वर्ग के मेधावी छात्रों को प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान प्राप्ति पर पारितोषिक व सम्मान चिन्ह, प्रमाण पत्र वितरित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत संस्था के महाराष्ट्र उपाध्यक्ष संगीता जायसवाल व आयोजक एवं संस्था

की उपाध्यक्ष जयंती महतो द्वारा संस्थापिका के फोटो पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलित करके की गई। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पदाधिकारी राजनारायण यादव ने किया। इस आयोजन में 9वीं के बालिकाओं के बौद्धिक क्षमता परीक्षण प्रतियोगिता में रिंकी राजेश यादव , लक्ष्मी राजभर, डिम्पल यादव व बालको में सूरज प्रदीप सिंह, अक्षज देसाई , शुभम मिश्र ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

छोटे बच्चों की प्रतियोगिता 6 वीं से 8 वीं तक के बालिकाओं में सृष्टी अरविंद यादव, अंजली राजकुमार चौहान, साक्षी प्रदीप सिंह व बालको में आयुष एल गुप्ता, राघवेंद्र श्रीवास्तव , प्रतीक संतोष यादव ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। परीक्षण प्रक्रिया में प्रेम चन्द्र, अभिजीत मिश्र, गोपाल शर्मा, संगम सिंह, अभिलाषा पंकज महतो का विशेष सहयोग रहा। बुद्धि परीक्षण में कुल 175 मेधावी छात्रों ने परीक्षा दी। कार्यक्रम के अंतिम दौर में बच्चों ने राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त किया। सम्पूर्ण कार्यक्रम महाराष्ट्र प्रदेश कमेटी कोंकड़ मण्डल व जिला कार्यकारिणी के मार्गदर्शन में सम्पन हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष नँदन मिश्र त्यागी ने बच्चों को शिक्षा स्वास्थ्य सहित संस्कृति और संस्कार को सुंदर बनाने हेतु बेहतरीन उपायों का सुझाव दिया।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

प्रादेशिक सदस्य संगठन के लिए हैं मार्गदर्शक: दिनेश टंडन

व्यापार मंडल की नई कमेटी व्यापारियों का शोषण नहीं होने देगी: राधेरमण जायसवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर उद्योग व्यापार मंडल की 2024 से 2027 तक कार्य करने वाली नगर कमेटी की परिचय सम्मेलन अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल की अध्यक्षता में सुत्तहटी चौराहा स्थित बैंकर प्लाजा के मीटिंग हॉल में आयोजित किया गया।अध्यक्ष राधेरमण ने सभी संरक्षक के साथ अतिथि और व्यापारी बंधुओ का स्वागत करते हुए कहा कि नगर उद्योग व्यापार मंडल की नए कमेटी व्यापारियों का शोषण किसी भी हालत में नहीं होने देंगे।कार्यक्रम में प्रदेश के सभी सदस्यों को प्रमाण पत्र के साथ व्यापारी परिचय पत्र भी वितरित किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जौनपुर उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देते हुए कहा कि जहां जरूरत होगी जिला कमेटी वहां उपस्थित मिलेगा तथा प्रादेशिक सदस्य संगठन के लिए एक मार्गदर्शक का काम करते हैं। जिससे प्रदेश नेतृत्व को व्यापारी हित की लड़ाई में सर्वसम्मति बनाने में सहायता मिलती है।कार्यक्रम के प्रारंभ में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष साहू के द्वारा ईशवंदना का पाठ किया गया। तत्पश्चात सभी पदाधिकारी का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।सम्मेलन में उपस्थित जिला संरक्षक राजदेव यादव, छब्बूलाल सोनकर, जगदीश चंद्र गाढ़ा, नन्हेंलाल वर्मा, श्याम चंद्र अग्रहरी, अनिल जायसवाल हरि ओम ने उपस्थित पदाधिकारी के साथ सभी व्यापारियों को एकजुट रहने का

संबोधन किया और एक दूसरे का सहयोग करने के लिए तत्पर रहने के लिए कहा, कार्यक्रम को सफल बनाने में महामंत्री नगर मनोज साहू एवं मुन्नालाल अग्रहरि, यशवंत साहू, अनिल वर्मा,अरविंद जायसवाल कार्यक्रम संयोजक विमल भोजवाल और समाजसेवी अरविंद बैंकर का विशेष सहयोग रहा। सम्मेलन में जिला महामंत्री रामकुमार साहू, ओम प्रकाश जायसवाल, अमर जौहरी, संदीप वर्मा, रामकुमार साहू, संतोष मौर्य, रोशी सोनकर, निरंजन वर्मा, लोकेश साहू, हफिज शाह, रंजीत सिंह, विजय गुप्ता, नीरज श्रीवास्तव, शरद साहू, अमित निगम, गुलजारी लाल साहू, शशांक जायसवाल, शुभम गुप्ता, पारस नाथ गुप्ता, संतोष सिंथालिया, डॉ संदीप पांडे, विजय अग्रहरी, आशीष गुप्ता, शत्रुघ्न सेठ, जमाल भाई राम आसरे, पवन साहू, हसन अब्बास, राजेश गुप्ता, सुजीत शुक्ला, आनंद यादव, संदीप सेठी, रविंदर सेठ, विवेक गुप्ता, मंगल सेठ, विवेक सेठी, राजेश जावा, सतीश अग्रहरि, विजय जायसवाल, अभिषेक सेठ, अमितोष गुप्ता, संतोष सेठ, शिवशंकर जायसवाल, रंजीत अग्रहरि, राहुल अग्रहरि, सतीश यादव, अनिल जायसवाल, डी.के. अग्रहरि, रमेश जायसवाल आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन युवा जिलाध्यक्ष संतोष अग्रहरि ने किया। उपस्थित सभी अतिथियों और पदाधिकारी का आभार संयोजक/वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल भोजवाल ने व्यक्त किया।

वाराणसी में लगेगी महाराणा प्रताप की 12.5 फीट ऊंची प्रतिमा

काशी के एंट्री प्वॉइंट गिलट बाजार चौराहे पर होगी स्थापित, योगी सरकार ने दी मंजूरी

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में वाराणसी शहर के एंट्री प्वाइंट गिलट बाजार चौराहे पर महाराणा प्रताप की 12.5 फीट ऊंची घोड़े चेतक पर सवार कांस्य प्रतिमा की स्थापना को योगी सरकार ने मंजूरी दे दी है। वर्तमान में इस चौराहे पर दिव्य काशी भव्य काशी का एक बोर्ड और कमल के फूल पर चार ग्लोब के स्कल्पचर हैं। वाराणसी का प्रमुख चौराहा वाराणसी-लखनऊ स्टेट हाइवे से लाल। बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के रास्ते वाराणसी के शहरी क्षेत्र में प्रवेश करने पर सबसे पहले गिलट बाजार चौराहा पड़ता है। एक रास्ता भोजूबीर होते हुए लगभग दो किलोमीटर दूर जिला मुख्यालय होते हुए वरुणापुल के रास्ते काशी में प्रवेश करता है। दूसरा रास्ता पंचकोसी को जाता है।

तीसरा रास्ता शिवपुर बाजार, रेलवे स्टेशन, सेंट्रल जेल, फुलवरिया होते हुए बीएचयू तक जाता है। चौथा रास्ता चौराहे से लगभग 17 किलोमीटर दूर एयरपोर्ट होते हुए लखनऊ को जाता है।वीडीए सदस्य ने सरकार में पहुंचाई थी लोगों की मांग काशी में महाराणा प्रताप सेना समेत कई संगठन काशी महाराणा प्रताप की प्रतिमा स्थापित करने की मांग कर रहे थे। वाराणसी विकास प्राधिकरण सदस्य और हिंदू युवा वाहिनी के वाराणसी प्रभारी अम्बरीष सिंह भोला ने इस बाबत सरकार को प्रस्ताव भेजा था जिसे मंजूरी मिल गई है।

सहोदया स्कूल एसोशिएशन के निर्विरोध कोषाध्यक्ष बने प्रधानाचार्य विनोद कुमार यादव

निशानाथ

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सेंट तुलसी ग्लोबल स्कूल, आमगांव, फुलेश के प्रधानाचार्य विनोद कुमार यादव को सहोदया स्कूल एसोशिएशन का निर्विरोध कोषाध्यक्ष चुना गया है। यह चुनाव सर्वसम्मति से हुआ, जिसमें उनकी नेतृत्व क्षमता, शैक्षणिक कुशलता और वित्तीय प्रबंधन में दक्षता को मान्यता दी गई। विनोद कुमार यादव ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। सेंट तुलसी ग्लोबल स्कूल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही है। छात्रों के सर्वांगीण विकास और शैक्षणिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देते हुए उन्होंने अपने स्कूल को एक प्रतिष्ठित संस्थान के रूप में स्थापित किया है। सहोदया स्कूल एसोशिएशन के कोषाध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण होगी। एसोशिएशन का उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों के बीच समन्वय स्थापित करना और शिक्षकों तथा छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए नई पहल करना है। विनोद कुमार यादव ने इस अवसर पर कहा, मैं इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए प्रतिबद्ध हूं और एसोशिएशन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का हर संभव प्रयास करूंगा। अपना शत प्रतिशत योगदान दूंगा। उनके निर्विरोध अध्यक्ष चुनें जाने पर डॉक्टर जे.पी. सिंह आर्थो सर्जन, प्रबन्धक दुर्गेश सिंह देवदूत हेल्पिंग्स हैंड्स के संस्थापक सदस्य, अशोक यादव सुल्तानी, अनूप सिंह अपरिहार, गौरव सिंह, नेहा सिंह, विवेक कोच, अभिषेक अस्थाना, दीपक मौर्य, रविकांत पटवा आदि लोगों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना किया।

जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य: अमृता देवी

महाराजगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय ब्लॉक के उपधान गांव में शनिवार को इं. कन्हैया लाल यादव की पत्नी अमृता देवी के सानिध्य में कंबल

वितरण का कार्य किया गया। 200 से अधिक जरूरतमंद लोगों को कड़ाके की ठंड में कंबल सौंपने के बाद अमृता देवी ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। ऐसे में हम लोगों को चाहिए कि अपने गांव, कस्बा, क्षेत्र में जो भी इस कड़ाके की ठंड से बचने के लिए जो भी मदद हो वो करनी चाहिए। सरकार के द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के अलावा भी सामाजिक कार्यकताओं की भी यह जिम्मेदारी है कि गरीब, बेसहारा व जरूरतमंदों की समय समय पर मदद करते रहे। इसी क्रम में आज इस क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण का कार्य किया है और आगे भी जरूरत होगी गरीब, बेसहारा लोगों की मदद की जाएगी। इस मौके पर पूर्व प्रवक्ता नंदलाल यादव सहित कई लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय खेलों में जलवा बिखेरेंगी काशी की 5 बेटियां

बहुत ही छोटे संसाधनों में हैं पली बढ़ी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के खिलाड़ियों के बारे में जाने विस्तार से ! 38वां राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में 28 जनवरी से 14 फरवरी तक होगा। 28 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देहरादून में इसका शुभारंभ करेंगे। खेल के महाकुंभ में नौ स्थानों पर देश भर के 10 हजार महिला पुरुष खिलाड़ी 35 खेल स्पर्धाओं में दमखम दिखाएंगे। हैंडबॉल की प्रतियोगिता में में काशी की पांच बेटियां खेलेंगी। खिलाड़ियों का शनिवार को चयन लखनऊ में हुआ। किसी खिलाड़ी के पिता दूध बेचने, गारा मिट्टी और राजगीर मिस्त्री का काम करते हैं। कहा जाता है कि जोश, जज्बा और जुनून हो तो बड़ी से बड़ी मंजिल हासिल की जा सकती है। परमानंदपुर मिनी स्टेडियम की रेशमा यादव, उषा प्रजापति, सुमन यादव, नैना यादव और प्रीति यादव ने कम संसाधनों के बाद भी बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा दिखाई। पांचों खिलाड़ी उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की ओर से शिविर में प्रशिक्षण ले रही हैं। लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शिविर तीन फरवरी तक चलेगा। चार फरवरी को टीम उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) रवाना होगी। यह पहला मौका है कि जब किसी राष्ट्रीय खेल के शिविर में वाराणसी की पांच महिला खिलाड़ी हैं। पांचों परमानंदपुर के बाबू आरएन सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ के उपाध्यक्ष डॉ. एके सिंह की देखरेख में प्रशिक्षण लेती हैं। उत्तर प्रदेश हैंडबॉल संघ की संयुक्त सचिव विभव सिंह और वाराणसी हैंडबॉल संघ के सचिव शम्स तबरेज शम्मू ने कहा कि यह वाराणसी के लिए गौरव की बात है।

सक्षम ने दिव्यांगजनों के लिये कुछ करने की बनायी रणनीति

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सक्षम जिला कमेटी की बैठक दुर्गा मण्डप हाल लाइन बाजार महिला थाना के बगल में जिलाध्यक्ष डा.उत्तम गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में

पुरुषों और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया जहां प्रान्त सचिव घनश्याम पाण्डेय, प्रान्त प्रचार-प्रसार प्रमुख पंकज सिंह, कर्मवीर सिंह जिला सचिव ने कार्यकताओं को अपने विचारों से लाभान्वित किया। इस मौके पर संस्थाध्यक्ष डॉ उत्तम गुप्ता ने बताया कि सक्षम संस्था आरएसएस की अनुसांगिक संगठन है जो दिव्यांग जनों के बीच में कार्य करती है। दिव्यांगता किसी भी प्रकार की हो, चाहे वह मानसिक हो, शारीरिक हो, जैसे हाथ किसी का काम न कर रहा हो, कान से सुनने की समस्या हो, आंख से कम दिखाई देने की समस्या हो, मुख से बोलने की समस्या हो, ऐसे लोगों के उत्थान के लिये संस्था काम करती है। अक्षम व्यक्तियों को सक्षम बनाने का काम सक्षम संस्था करती है। विदित हो कि प्रयागराज में हो रहे महाकुम्भ में सक्षम संस्था ने अपना नेत्र कुम्भ लगाया है जिसमें नेत्र रोगियों के लिये मुफ्त आंख की जांच मुफ्त चश्मा का वितरण और मुक्त आंख का ऑपरेशन की व्यवस्था की गई है। इस साल लगभग 5000 व्यक्तियों के आंख के जांच और 3 लाख चश्मा का वितरण और 50000 नेत्र रोगियों के आंखों का ऑपरेशन का लक्ष्य रखा गया है। यदि किसी कारण से जिनका ऑपरेशन वहां पर नहीं हो पायेगा, उनको उनके क्षेत्र में उनके प्रदेश जिला के जो नेत्रों विशेषज्ञ होंगे, उनके लिये वहां से कार्ड बन जायेगा, वह उसे जगह पर जाकर के अपना ऑपरेशन करवा सकते हैं जिसका पूरा खर्चा सक्षम संस्था देगी। इस अवसर पर पंकज सिंह प्रसार प्रचार सचिव, अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट की अध्यक्ष एडवोकेट उर्वशी सिंह, डा. संध्या सिंह, अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट के गुलाबी समिति की अध्यक्ष बिट्टू किन्नर, नैनतारा सिंह, मीना यादव, मोदनवाल समाज के जिला महामंत्री ज्ञानचन्द मोदनवाल, नवीन मिश्रा, डॉ पीके सिंह, डॉ प्रहलाद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

अब डिजिटल लॉकर में रखे जाएंगे यात्रियों के लगेज, कैंट स्टेशन पर शुरू होगी सुविधा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के कैंट स्टेशन पर यात्री अपना लगेज अब डिजिटल लॉकर में रख सकेंगे। स्टेशन पर 16 डिजिटल लॉकर आलमारी पहुंच गई है। इन्हें यात्री हॉल में रखा गया है। बंगलुरू की निजी कंपनी इसका संचालन करेगी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि एक आलमारी में चार कंपार्टमेंट हैं। यह मोबाइल एप और क्यूआर कोड स्कैन की तरह काम करेगी। यात्री अपने मोबाइल नंबर पर ओटीपी प्राप्त कर लॉकर का उपयोग कर सकते हैं। इसमें ऑनलाइन ट्रांजेक्शन की भी सुविधा है।बड़े आसानी से कर सकते है उपयोग अधिकारियों ने बताया कि लॉकर के ऊपर छोटा सा स्क्रीन लगा है। उस पैनल पर यात्री अपना मोबाइल नंबर फीड कर ओटीपी के माध्यम से इसे ऑपरेट कर सकते हैं। मोबाइल एप या फिर ई-मेल आईडी व नाम के साथ वन टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा। उसके बाद पैनल पर अपनी सुविधानुसार साइज का लॉकर सेलेक्ट करना होगा। दो कैटेगरी के लॉकर की सुविधा स्टेशन पर दो कैटेगरी में लॉकर की सुविधा मिलेगी। लार्ज और एक्स्ट्रा लार्ज लॉकर का किराया अलग-अलग है। एक्स्ट्रा लार्ज लॉकर में सामान रखने के लिए 24 घंटे का किराया 472 रुपये और लार्ज लगेज का 24 घंटे का किराया 330 रुपये देने होंगे। प्रति घंटे 14 रुपये, तीन घंटे का 42, पांच घंटे का 83, आठ घंटे का 124 और 12 घंटे का 165 रुपये शुल्क देना होगा।

मेरठ ने गोरखपुर को 2-0 से हराकर दर्ज किया जीत

दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने किया अच्छा प्रदर्शन: कृष्ण चन्द्र उपाध्याय राजू

गुड़िया राज

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत स्पोट्र्स एकेडमी फेडरेशन के तत्वावधान में चल रही मुलायम सिंह यादव राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता नार्मल स्कूल के मैदान पर डीएफए मेरठ व डीएफए गोरखपुर के बीच खेला गया। जिसमें डीएफए मेरठ की टीम ने डीएफए गोरखपुर को 2-0 गोल से हराकर अपनी जीत दर्ज कर लिया। राज्य स्तरीय महिला फुटबॉल प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र उपाध्याय राजू व विशिष्ट अतिथि ईंट निमार्ता समिति के डोभी प्रभारी भट्ठा मालिक एवं समाजसेवी राजन खॉन नें खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर तथा फुटबॉल को फेंक कर मैंच का शुभारंभ किया गया। मैंच समाप्ति के बाद सम्बोधित करते हुए खेल के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मण्डल केराकत नगर अध्यक्ष कृष्ण चन्द्र उपाध्याय राजू ने कहा कि महिला खिलाडियों द्वारा बहुत ही सुन्दर खेल का प्रदर्शन किया गया है।यदि ऐसे ही लगी रहेंगी तो वह दिन दूर नहीं कि एक दिन जनपद प्रदेश और पूरे देश में नाम रोशन करेंगी। इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि ईंट निमार्ता समिति के डोभी प्रभारी भट्ठा मालिक एवं समाजसेवी राजन खॉन नें कहा कि नार्मल स्कूल के मैदान पर महिला फुटबॉल के खिलाड़ियों द्वारा बहुत ही सुन्दर और निष्पक्ष मैच खेला गया है।इसके लिए मैं बड़े भाई संस्थापक लालजी यादव और संरक्षक भाई साहब लाल सोनकर जी का साथ ही कमेटी के लोगों का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। इस मौके पर केराकत विधानसभा सपा के पूर्व प्रत्याशी संजय सरोज,पूर्व जिला पंचायत सदस्य हरिश्चन्द यादव बबलू, राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जौनपुर के जिला सचिव पत्रकार मोहम्मद असलम खान, राजेश यादव मिश्रा, अशर्फी उर्फ भानू सेठ सभासद फिरोज खान, संतोष कुमार साहू, पंकज कसौधन, संजय आर्य, सुशील सोनकर, दूधनाथ यादव आदि लोग मौजूद रहे।

हल्का लेखपाल ने पीड़ित के ही निर्माण पर चलवा दिया जेसीबी, जिलाधिकारी से लगायी गुहार

अजीम सिद्दीकी

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के एक गांव में अतिक्रमण हटाने के लिए प्रार्थी ने शिकायत किया तो उल्टा पीड़ित के भूमिधरी पर लेखपाल ने जे.सी.बी. चल गई मामला क्षेत्र के चर्चा का विषय बना हुआ है। पीड़ित ने इसके विरुद्ध जाँच और अतिक्रमण हटाने के लिए जिलाधिकारी को प्रार्थना-पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। सुम्बुलपुर गाँव निवासी जुबैर पुत्र असगर अली ने ग्राम के सार्वजनिक चकमार्ग पर गाँव के नईम व जाबिर द्वारा बांस, बल्ली के माध्यम से सार्वजनिक चकमार्ग को कब्जा करने का आरोप लगाते हुए। समाधान दिवस पर प्रार्थना-पत्र देकर अतिक्रमण हटाने की गुहार लगाया था। आरोप है कि साजिश के तहत हल्का लेखपाल द्वारा गलत ढंग रिपोर्ट में, मौके रास्ता खाली, कोई अतिक्रमण नहीं है तथा प्रार्थी को शांतिभंग की धारा में कार्यवाई कर दिया गया। जिससे प्रार्थी पूरी तरह से भयभीत है। प्रार्थी सार्वजनिक रास्ते पर हुए अतिक्रमण के विरुद्ध फिर से प्रार्थना-पत्र देकर गुहार लगाया। आरोप है कि दुबारा प्रार्थना-पत्र के बाद हल्का लेखपाल अतिक्रमण हटवाने के लिए मोटी रकम की मांग किया, प्रार्थी पैसा देने से असहमति जताया तो झल्लाया लेखपाल अनिरुद्ध सिंह ने बिना किसी उच्चाधिकारियों के आदेश, न तो किसी प्रकार की नोटिस दिए बगैर प्रार्थी की जमीन पर हुए पिलर आदि के निर्माण पर ही जे.सी.बी. चलवा दिया। आरोप है उक्त हल्का लेखपाल धमकी दे रहा है कि किसी प्रकार की कार्यवाई किये तो फर्जी मुकदमा लदवाकर जिन्दगी पलीत कर दूंगा। जिससे प्रार्थी और भी भयभीत है। प्रार्थी मामले की जाँच और अतिक्रमण हटवाने के लिए जिलाधिकारी को प्रार्थना-पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

पत्रकार के बड़े पिता के निधन पर शोक

अमित तिवारी, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरायख्वाजा थाना के काफरपुर गांव के पत्रकार विशाल विश्वकर्मा के बडे पिता हीरालाल विश्वकर्मा (70) का निधन सोमवार को हृदय गति रुक जाने से हो गया। वे हृदय रोग से पीड़ित थे और इन दिनों बीमार चल रहे थे। तबीयत बिगड़ जाने के बाद उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया था जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। निधन के बाद उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव काफरपुर लाया गया जहां से शाम को जनपद के रामघाट पर अंतिम संस्कार किया गया। पत्रकार के पिता का निधन पर प्रखंड के विभिन्न सामाज सेवियों, पत्रकारों ने गहरी शोक संवेदना प्रकट की है और पत्रकार तथा उनके परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की कामना की है।

कोतवाली पुलिस ने एटीएम तोड़कर रुपये चोरी करने के प्रयास में एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी नगर के निकट पर्यवेक्षण में व प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली के नेतृत्व में आज दिनांक-20.01.2025 को थाना कोतवाली पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 21/25 धारा 331(4)/305/62/324(4) बीएनएस से सम्बन्धित चोर रोहन श्रीवास्तव पुत्र राजनारायण श्रीवास्तव निवासी मछरहट्टा (माता नीम) थाना कोतवाली जौनपुर को सिपाह तिराहे से आज दिनांक-20.01.2025 गिरफ्तार किया गया जिसके पास से ए0टी0एम0 खोलने का सामान एक पेचकस व एक हेक्ला ब्लेड भी बरामद किया गया। नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष भेजा गया।

समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए समर्पित है करनी सेना: लल्ला भइया

राष्ट्रीय संयोजक संगठन के विस्तार और महत्वपूर्ण पहलू पर हुई सभा

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। करनी सेना भारत के तत्वावधान में और राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर प्रताप सिंह वीरू के निर्देश पर रविवार की रात्रि धौरइल गांव में एक सभा हुई। जिसमें संगठन के विस्तार और महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा की गई । जिसमें कई जनपद के लोगों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय संयोजक प्रमोद कुमार सिंह लल्ला ने कहा आज क्षत्रिय समाज में सबसे उपेक्षित है। चाहे सरकार किसी की रही हो जबकि राष्ट्र के उत्थान में इस समाज का विषेश स्थान है।चाहे वह देश की आन के लिए बलि देने की हो अथवा किसी भी जाति धर्म के विरुद्ध हो रहे। अनाचार, अनीति की बात हो तो रक्षक के तौर पर खड़ा रहता है या फिर मुगलों से लोहा लेने की बात रही हो इसी क्रम में जिला अध्यक्ष सुजीत सिंह ने कहा कि करनी सेना भारत समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए सदैव खड़ी है। कार्यक्रम का आयोजन धौरइल निवासी सनी सिंह के आवास पर हुआ। इस अवसर पर संयोजक मनोज सिंह, यादवेंद्र सिंह, सत्यम सिंह, वेदप्रकाश सिंह, मोहित सिंह, रविंद्र सिंह समेत सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर ट्रालियों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवा कर वाहन चालकों को किया गया जागरुक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क सुरक्षा माह-2025 के अंतर्गत, पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर के निर्देशन में सड़क दुर्घटना व उनमें होने वाली मृत्यु में कमी लाये जाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा हौज टोल प्लाजा क्षेत्र में आरटीओ मंडलाधिकारी वाराणसी मनोज वर्मा, एआरटीओ जौनपुर सत्येंद्र कुमार, पीटीओ अधिकारी जौनपुर तथा यातायात प्रभारी जौनपुर सुशील कुमार मिश्रा के द्वारा ट्रैक्टर-ट्रालियों पर रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगवा कर वाहन चालकों के इसके महत्व के प्रति जागरुक किया गया। सड़क के किनारे गलत तरीके से पार्क किये गये वाहनों को हटवाया गया। तथा हाइवे पर स्पीड राडार लगाकर तेजगति से चलने वाले 30 वाहनों का चालान किया गया। साथ ही विभिन्न यातायात नियमों के उल्लंघन तथा बिना हेल्मेट वाहन संचालन करना, बिना सीटबेल्ट प्रयोग किये चार पहिया वाहन संचालित करना, चारपहिया वाहन पर ब्लैक फिल्म का प्रयोग करना, माडीफाइड साइलेंसर का प्रयोग करना, रांग साइड वाहन का संचालन करना आदि अपराधों के विरुद्ध चालान की कार्यवाही की गयी। प्रवर्तन कार्यवाही के अन्तर्गत यातायात पुलिस तथा थाना पुलिस द्वारा आज कुल 427 वाहनों का चालान किया गया।

जनपद के सभी सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध है कुष्ठ रोगियों के लिए नि:शुल्क दवा

2027 तक इसका प्रसार शून्य कर देने के लिए खिलाई जा रही है रिफाम्पसिन दवा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में कुष्ठ रोगियों के परिजनों और उनके पड़ोसियों को रिफाम्पसिन दवा खिलाई जा रही है। इस दवा का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे कुष्ठ रोग का प्रसार बहुत कम हो जाता है। साथ ही परिजनों और पड़ोसियों में कुष्ठ फैलने की संभावना लगभग खत्म हो जाती है। उत्तर प्रदेश सरकार तथा केंद्र सरकार 2027 तक कुष्ठ रोग का प्रसार शून्य कर देने के लिए प्रयासरत है। इसीलिए रिफाम्पसिन दवा खिलाई जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी सीएमओ डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने अवगत कराया है कि कुष्ठ रोग बैक्टीरिया से होने वाली एक सामान्य बीमारी है। यह दवा करने से पूरी तरह से ठीक हो जाती है। इसकी दवा सभी सरकारी अस्पतालों में निः शुल्क उपलब्ध है। यह कोई अभिशाप, पाप या बुरे कर्म का नतीजा नहीं है। न ही जन्मजात या वंशानुगत बीमारी है। इसलिए कुष्ठ रोग होने पर संकोच नहीं करना चाहिए और डाक्टर से परामर्श लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि शुरूआती दौर में शरीर में कहीं दाग हो जाना। दाग के साथ उस जगह पर सुन्नपन होना,उसमें खुजली नहीं होना।हाथ-पैर की अंगुली में टेढ़ापन, हाथ-पैर के तलवों में झनझनाहट,नस का मोटा होना, हाथ-पैर में होने वाला कोई ऐसा दर्द रहित घाव जो ठीक नहीं हो रहा हो, जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ प्रभात कुमार ने आम जनमानस से ऐसे लक्षण दिखने पर संकोच नहीं करने और विकलांगता से बचने के लिए डॉक्टर से परामर्श लेने की अपील की है। वह कहते हैं कि कुष्ठ रोगी भी समाज के अंग हैं। उनसे भेदभाव करना उचित नहीं है। जो लोग कुष्ठ रोग से प्रभावित हो जाते हैं या विकलांग हो जाते हैं। उनका भी शासन द्वारा नैनी और अयोध्या में निः शुल्क इलाज करवाया जाता है। इतना ही नहीं उन्हें आठ हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि भी साथ में दी जाती है। इस समय अपने जनपद में 129 कुष्ठ रोगियों का इलाज चल रहा है। हर महीने 10-12 लोग ठीक हो जाते हैं और उनका इलाज बंद कर दिया जाता है। कुष्ठ रोग के इलाज की अवधि छह महीने से 12 महीने तक ही होती है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कुष्ठ प्रभावित कोई भी व्यक्ति छूटने न पाए, समाज में फैली भ्रांतियों को दूर भगाएं, आइये हम सब मिलकर कुष्ठ रोग के प्रति जागरूकता फैलाएं।

बीआरडी में आया ट्रिपल संक्रमण पहला मरीज

गोरखपुर । गीडा क्षेत्र के 28 साल के एक युवक में ट्रिपल संक्रमण यानी एचआईवी के साथ ही हेपेटाइटिस-बी व सी का मामला भी सामने आया है। डॉक्टरों के अनुसार बेहद असाधारण मामलों में ही ऐसा होता है। यह यूपी का संभवतः पहला मामला है। बीआरडी के डॉक्टरों की टीम युवक का इलाज कर रही है और उसकी हालत में पहले से सुधार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, गीडा का रहने वाला युवक बंगलुरू में नौकरी करता था। पिछले साल वह गांव आया, तब उसे बुखार और कमजोरी की शिकायत हुई। स्थानीय डॉक्टरों से इलाज के बाद भी कोई फायदा नहीं हुता तो वह जून में बीआरडी पहुंचा। जांच में युवक एचआईवी संक्रमित मिला। डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं दिखा। अक्तूबर में मरीज की दोबारा जांच की गई तब तक वह एड्स का मरीज हो चुका था। इसके साथ ही हेपेटाइटिस-बी, सी व सिफलिस का संक्रमण भी मिला। इससे डॉक्टर चौंक गए, क्योंकि ऐसा सामान्यतः होता नहीं हैं कि किसी मरीज में एक साथ ये तीनों संक्रमण मिले। तब डॉक्टरों ने एंटी रेट्रोवायरल थेरेपी (एआरटी) के माध्यम से उसका इलाज शुरू किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, नियमित देखभाल और दवाओं से मरीज की स्थिति में काफी सुधार आया है। इस दौरान युवक की पत्नी में भी एचआईवी का संक्रमण पाया गया। उसका भी इलाज चल रहा है।

बीड़ी मांगने पर दुकानदार ने अधेड़ को पीटा

कानपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजपुर के कुढ़वा गांव में बीड़ी मांगने पर युवक की पिटाई से क्षुब्ध होकर राजमिस्त्री ठाकुरदीन (55) ने फंदे से लटक कर जान दे दी। उसका शव घर से 100 मीटर दूर स्थित एक पेड़ पर लटकता मिला। परिजनों ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा काटा। बड़े बेटे सूरज ने बताया कि दो दिन पहले पिता नशे की हालत में घर के पास स्थित परचून की दुकान में बीड़ी पीने गए थे। वहां परचून दुकानदार ने बीड़ी देने से मना कर दिया। विरोध पर दुकानदार ने उनकी पिटाई कर दी थी। पिता के हाथ, पैर व पीठ में चोटें आ गईं थीं। इसके बाद से वह काफी डिप्रेशन में रहने लगे थे। रविवार देर रात वह बिना बताए घर से निकल गए। सोमवार सुबह उनका शव घर से 100 मीटर की दूरी एक बबूल के पेड़ पर लटकता मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने युवक पर कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस परिजनों को समझा बुझा कर मामला शांत कराया। महाराजपुर इंस्पेक्टर संजय कुमार पांडेय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बंद कमरे में मिले फौजी की पत्नी और दो बच्चों के शव

उन्नाव (उत्तरशक्ति)। कटरा मोहल्ले में महिला और उसके दो बच्चों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। फौज में तैनात पति ने कई बार फोन मिलाया न उठने पर मुन्नी खेड़ा गांव में रहने वाले परिजनों को सूचना दी। भाई ने मौके पर पहुंचकर दरवाजा खटखटाया न खुलने पर छत के रास्ते अंदर पहुंचा। कमरे में तीनों मृत पड़े थे। यह देख कोहराम मच गया। पुलिस ने जांच की, प्रारंभिक जांच में बेड के पास अंगीठी रखी मिली है। धुएं से दम घुटने से मौत का अनुमान लगाया जा रहा है। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कटरा निवासी आलोक सिंह सेना में सूबेदार के पद पर तैनात हैं। मौजूदा समय में वह लद्दाख में तैनात हैं। सोमवार सुबह उन्होंने अपनी पत्नी रचना सिंह उर्फ नीशू (35) को फोन मिलाया न उठने पर कई बार कॉल की लेकिन रिसीव नहीं हुआ, इस पर उन्होंने फतेहपुर 84 थानाक्षेत्र के मुन्नीखेड़ा गांव में रहने वाले परिजनों को फोन ना उठने की जानकारी दी। आलोक का छोटा भाई पंकज सुबह 10 बजे कटरा स्थित घर पहुंचा। कई बार दरवाजा खटखटाया पर जब नहीं खुला तो वह पड़ोसी के घर से छत के रास्ते अपने घर में दाखिल हुआ। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद होने से उसे तोड़ा गया। अंदर का नजारा देख उसके रोंगटे खड़े हो गए। नीशू के साथ सात साल का बेटा वैभव और चार साल की बेटी वैष्णवी मृत पड़े हुए थे। वह चीखते हुए बाहर की ओर भागा। महिला और उसके दो बच्चों की मौत की सूचना पर वहां भीड़ लग गई। सीओ, कोतवाल फॉरेंसिक टीम के साथ क्षेठी के धुएं से दम घुटने से मौत का अनुमान है जांच की जा रही है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने गोली मारकर आत्महत्या की

जालौन (उत्तरशक्ति)। पत्नी से हुए विवाद में युवक ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची, जिन्होंने मामले की जांच करने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोंच कोतवाली के मोहल्ला जवाहर नगर निवासी आकाश पहारिया परिवार के साथ रहता था। आकाश ठेकेदारी के साथ भाजपा की राजनीति भी कर रहा था, रविवार देर रात को आकाश ने पारिवारिक विवाद में रात लगभग ढाई बजे लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। गोली की आवाज सुनकर उसके पिता अवधेश व मां ममता जाग गई, जिन्होंने खून से लथपथ अपने बेटे को देखा, उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। रात में आवाज सुनकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने खून से लथपथ हालत में आकाश को देखा, तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना मिलते ही कोंच सर्कल के क्षेत्राधिकारी डॉ देवेंद्र पचौरी, कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण राय, सागर चौकी प्रभारी अवनीश पटेल पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंची जिन्होंने मामले की जांच करने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया है कि मृतक आकाश का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था, बीते दो माह से उसकी पत्नी अपने मायके में रह रही थी रात में फोन पर हुए विवाद के बाद आकाश ने लाइसेंसी रिवाल्वर से गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

चोरो ने दो घरों से 15 लाख के गहने और नकदी ले गए

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जिले में बीते 24 घंटे में पांच स्थानों से चोरी के मामले सामने आए हैं। इसमें से दो घरों से 15 लाख के गहने और नकदी चोरी हुई है। रौनापार थाना क्षेत्र के सहसपुर गांव व जीयनपुर कोतवाली के लाटघाट बाजार में स्थित दो घरों में चोरों ने चोरी की। सहसपुर गावं में आठ लाख के जेवरात व डेढ़ लाख रुपये नकदी चोरी हुई। जबकि जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के लाटघाट बाजार में लगभग छह लाख के जेवरात व 1500 नकदी उठा ले गए। जानकारी के मुताबिक 17-18 जनवरी की रात रौनापार थाना क्षेत्र के सहसपुर गांव निवासी अजय पांडेय शिक्षक हैं। उन्होंने रौनापार थाने में तहरीर दी है। आरोप था कि उनके घर में पांच दरवाजे का ताला तोड़कर चोर अंदर घुस गए और घर में रखे चार बक्से, दो अलमारी की और छोटे बख्शे, संदूक को तोड़कर उसमें रखा गहना उठा ले गए। इसकी कीमत करीब आठ लाख रुपये बताई जा रही है। वहीं, डेढ़ लाख रुपये नकदी उठा ले गए। सुबह जब इसकी जानकारी परिजन को हुई तो घर पहुंच कर देखा तो सभी दरवाजा के ताले टूटे हुए थे।

काशी आएंगे तीन शंकराचार्य, होगा महायज्ञ वेद और शास्त्रों पर होगा मंथन

वाराणसी। महाकुंभ में तीनों पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य प्रवास कर रहे हैं। वह संगम स्नान, पूजन, यज्ञ करने के साथ धर्म संसद आदि धार्मिक कार्यक्रमों में भाग ले रहे हैं। इसके बाद वह काशी में प्रवास करेंगे। श्रृंगेरी मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य भारती तीर्थ के उत्तराधिकारी शिष्य विधुशेखर भारती 31 जनवरी को काशी आएंगे। वह आठ दिनों तक अलग-अलग अनुष्ठान में भाग लेंगे। काशी में होने वाली विद्वत सभा में वेदों और शास्त्रों पर मंथन करेंगे। उनके साथ तीन हजार से अधिक अनुयायी भी आएंगे। महाकुंभ में 14 अखाड़ों के अलावा मठों, आश्रमों और पंथों के शिविर लगे हैं। वहां वैदिक अनुष्ठान के साथ ही धार्मिक सभाएं हो रही हैं। गोवर्धन मठ पुरी के पीठाधीश्वर स्वामी निश्चलानंद सरस्वती और ज्योतिषपीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती भी महाकुंभ में पहुंचे हैं। वे गो रक्षा, धर्मसंसद, विद्वत सभा और महायज्ञ जैसे अनुष्ठान संगमनगरी में करा रहे हैं। वहीं, श्रृंगेरी पीठ के उत्तराशिकारी शंकराचार्य विधुशेखर भारती 24 जनवरी को महाकुंभ में पहुंचेंगे। विविध अनुष्ठानों में भाग लेंगे। काशी श्रृंगेरी मठ के प्रबंधक चल्ला अन्नपूर्णा प्रसाद शास्त्री ने बताया कि शंकराचार्य 31 जनवरी को पहली बार काशी आएंगे। उनके साथ 500 साधु-संतों का दल रहेगा। इसके अलावा तीन हजार से अधिक अनुयायी आएंगे। उनके स्वागत की तैयारी चल रही है। मठ में विविध अनुष्ठान होंगे। वह नौ फरवरी को यहां से पीठ के लिए रवाना हो जाएंगे। वहीं, स्वामी निश्चलानंद सरस्वती छह फरवरी और स्वामी अविमुक्तेश्वरांद सरस्वती 26 फरवरी के बाद काशी आएंगे।

स्वामी विधुशेखर भारती आठ दिन तक अनुष्ठान में भाग लेंगे। चल्ला अन्नपूर्णा प्रसाद शास्त्री ने बताया कि चंद्रमौलिश्वर पूजा, सहस्त्रचंडी यज्ञ, अतिरुद्र यज्ञ, ललिता शहस्त्रार्चन, कोटि कुंकुंमार्चन, अधिवास हवन, विद्वत सभा, चारों वेदों व शास्त्रों पर सभा होगी। श्रृंगेरी पीठ शंकराचार्य के उत्तराधिकारी विधुशेखर भरती का श्रृंगेरी मठ में स्वागत होगा। रविवार को मठ में चिंतामणि गणेश मंदिर के महंत चल्ला सुब्बाराव और प्रबंधक चल्ला अन्नपूर्णा प्रसाद ने संत, विद्वतजन, उद्यमी सहित सभी समाज के प्रबुद्धजनों के साथ बैठक की। अन्नपूर्णा प्रसाद ने बताया कि मठ में तैयारी चल रही है। शंकराचार्य के स्वागत के लिए शहर में कुल आठ द्वार बनेंगे। मठ में यज्ञ कुंड तैयार हो चुके हैं। टेंट लगाए गए हैं।

होंडा ने नई 2025 लिवो लॉन्च की

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने शहरी युवाओं के लिए ओबीडी2बी मानकों के अनुरूप नई लिवो बाइक लॉन्च की है। यह नई लिवो बोल्ड डिजाइन और आधुनिक तकनीक का बेहतरीन संयोजन है, जो राइडिंग को और भी शानदार अनुभव बनाती है। 2025 होंडा लिवो की शुरूआती कीमत एक्स-शोरूम दिल्ली में 83,080 रुपये रखी गई है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों को पेश किया

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने अगली पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों को पेश किया

पटना(उत्तरशक्ति)। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी ड्राइव फ्यूचर सोच के साथ भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में दूसरे दिन अपनी नई तकनीकों का प्रदर्शन किया है। तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करते हुए, कंपनी ने कनेक्टेड, ऑटोनोमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक तकनीक में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इनोवेशन, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित पहल पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस ब्रांड ने आधुनिक युग के लिए मोबिलिटी को बेहतर बनाने वाले व्यावहारिक समाधानों को प्रस्तुत किया। ड्राइव.फ्यूचर सोच को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन और आंतरिक दहन इंजन मॉडलों सहित विविध पावरट्रेन विकल्पों का प्रदर्शन किया। इसमें अत्याधुनिक बैटरी प्रबंधन प्रणाली वाले इनोवेटिव मॉडल, आईएम5 और आईएम6, प्रीमियम प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन एमजी एचएस, भव्य एसयुवी मॉडल एम, कॉमेट ब्लैकस्ट्रोम और लग्जरी एमजी7 ट्रॉफी एडिशन शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सीईओ राजीव चाबा ने कहा, ‘हम भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में सीएएसइ तकनीकों में अपनी अग्रणी पहलों को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं। यह मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। ड्राइव.फ्यूचर की हमारी दृष्टि उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर मोबिलिटी को स्थायी, जुड़े हुए और ग्राहक-केंद्रित अनुभव में बदलने में निहित है। हम प्रौद्योगिकी जोन और विविध पावरट्रेन शोकेस के माध्यम से व्यावहारिक और स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। यह न केवल इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को अधिक सुलभ बना रहे हैं ।

कंपनी की स्टीकर लगाकर बेच रहे थे नकली मोबिल

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। कैस्ट्रॉल ऑयल कंपनी के अधिकारी की शिकायत पर अहरौला थाने की पुलिस ने दो स्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान पुलिस ने फर्जी कैस्ट्रॉल ऑयल कंपनी का 34 डिब्बा मोबिल बरामद किया। इस कार्रवाई से आसपास के दुकानदारों में हड़कंप रहा। कैस्ट्रॉल कंपनी के एरिया इंचार्ज अंशार खान और एरिया ऑपरेशन मैनेजर विनय कुमार ने अहरौला थाने सहित उच्चाधिकारियों से शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि उनकी कंपनी का फर्जी स्टीकर लगाकर मोबिल बेचा जा रहा है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर अहरौला पुलिस ने उक्त दोनों दुकानों पर छापेमारी कर बड़ी मात्रा में फर्जी कैस्ट्रॉल ऑयल बरामद किया। उक्त कंपनी के दोनों अधिकारियों के लिखित तहरीर पर दोनों संचालकों के खिलाफ कॉपीराइट का उल्लंघन करके व फर्जी कैस्ट्रॉल ऑयल बेचे जाने का मुकदमा दर्ज किया है।

आईआईएम बैंगलोर ने ईएसजी और सस्टेनेबिलिटी पर हिन्दी भाषा में अपना पहला एमओओसी पाठ्यक्रम किया लॉन्च

मुंबई। आईआईएम बैंगलोर ने अपने पहले हिन्दी मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (एमओओसी) लॉन्च करने की घोषणा की है। ह्यफ्रॉम थ्योरी टू प्रैक्टिसः इम्प्लांटिंग ईएसजी एंड सस्टेंबिलिटी इन बिजनेस नाम से यह कार्यक्रम भारत सरकार की एक पहल स्वयं पर आधारित है। इसे विभिन्न विषयों में मुफ्त, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार किया गया था।

जिस तरह उभरते हुए पर्यावरणीय, सामाजिक तथा प्रशासिक (ईएसजी) एवं सस्टेनेबिलिटी के सबसे बड़े ट्रेंड्स इस क्षेत्र के तौर-तरीकों को एक नया आकार प्रदान कर रहे हैं, यह प्रोग्राम एमबीए तथा बीबीए स्टूडेंट्स, पेशेवरों और एक्जीक्यूटिव के अनुकूल है। इसका मकसद स्थायी विकास और समग्र वैल्यू निर्माण की गहरी समझ प्रदान करना है।

टीसीआई-आईआईएमबी सप्लाय चेन सस्टेनेबिलिटी लैब के सीओओ, डॉ. आदित्य गुप्ता, इस पाठ्यक्रम के प्रशिक्षक होंगे। टाटा समूह, टीवीएस समूह, जिंदल समूह, वर्जिन मोबाइल और मोजर बेयर जैसी कंपनियों में शानदार कॉरपोरेट अनुभव रखने वाले, डॉ. आदित्य गुप्ता ने सस्टेनेबल सप्लाय चेन प्रबंधन को आगे बढ़ाया और ईएसजी के स्वरूप को अपनाने में मदद की है। इस प्रोग्राम के दौरान स्टूडेंट्स को उनसे बातचीत करने और सीखने का मौका मिलेगा।

12 हफ्तों, 3-क्रेडिट, 30 घंटों का यह ऑनलाइन प्रोग्राम 24 जनवरी 2025 को शुरू होगा। 28 फरवरी 2025 नामांकन की आखिरी तारीख है। 30 अप्रैल 2025 से पहले 12 प्रोग्राम पूरा करने वाले अभ्यर्थी 25 मई 2025 को आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए योग्य माने जाएंगे।

बाथरूम की दीवार बनाने के दौरान धक्का मुक्की से महिला की मौत, मुकदमा दर्ज कर, एक को लिया गया हिरासत में

बिलरियागंज,आजमगढ़(उत्तरशक्ति) ।स्थानीय थाना बिलरियागंज क्षेत्र के नगवा बेनी गांव मे रविवार को सुबह 7 बजे के करीब जमीनी विवाद से धक्का मुक्की के दौरान एक महिला की मौत का मामला प्रकाश मे आया है। इस संबंध मे बिलरियागंज थानाध्यक्ष सुनील कुमार दुबे ने आरोपी को कस्टडी मे लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध मे उपरोक्त गांव निवासी मृतका अमारी देवी 60 वर्षीय के पति राम प्रसाद प्रजापति ने बताया कि प्रातः काल वह अपने बाथरूम की दीवार जोड़ रहा था।

तभी गांव के अनिल पांडेय पुत्र अज्ञात समेत अन्य लोग आकर विरोध करने लगे और दीवार बनाने से रोक दिया।इसी बीच मौके पर हमारी धर्म पत्नी आयी और बीच बचाव करने लगी तब तक अनिल पांडेय ने उसे धक्का दे दिया जिससे वह जमीन पर ही गिर गयी। उनकी मौके पर मौत ही हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी और लोगों पक्षों को थाने लेकर आयी। मामले में एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण कार्डियक अरेस्ट बताया गया है। फिर भी मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। आगे वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जीएसवीएस प्रीमियर लीग सीजन 2 शीर्ष खिलाड़ियों की बैठक संपन्न

मुंबई, (उत्तरशक्ति)। रविवार को बी एस वी एस प्रीमियर लीग सीजन 2 स्वतंत्रता सेनानी शहीद झुरी बिंद ट्रॉफी टूनार्मेंट की बैठक माटुंगा फाइव गार्डन मुंबई में आयोजित की गई। जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि फरवरी माह में बी एस वी एस सीजन 2 क्रिकेट प्रतियोगिता ऐतिहासिक रूप में कराई जाएगी। जिसमें हजारों लोगों की संख्या आने की उम्मीद है। बिंद समाज विकास संघ द्वारा स्पोर्ट्स कमेटी पदाधिकारी सहित सभी 12 टीमों के कप्तान एवं कुछ खिलाड़ियों द्वारा बैठक की गई। जिसमें आयोजित टूनार्मेंट में खेल की रूप रेखा एवं नियम शर्तों को संज्ञान में लेते अहम निर्णय लिया गया। सभी सम्मिलित क्रिकेट टीम के कप्तान उप कप्तान मौजूद रहे। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद सहित, घाटकोपर कैप्टन प्रदीप कुमार बिंद, परेल कैप्टन अरुण कुमार बिंद, जोगेश्वरी करण कुमार केवट, विक्रोली कप्तान विकास बिंद, विद्या विहार कप्तान ऋषिकेश बिंद, बदलापुर आलोक बिंद, वसई कैप्टन विनोद कुमार बिंद ,कुर्ला कैप्टन अशोक कुमार नाविक, उप कप्तान पवन कुमार बिंद, उप कप्तान सर्वजीत केवट, उप कप्तान रतन कुमार बिंद, युवासेना अध्यक्ष दिनेश कुमार बिंद,कोऑर्डिनेटर मनोज कुमार केवट,वाहन सेना प्रमुख शेषमणि बिंद, घनश्याम बिंद, सुरेंद्र यादव, अशोक कुमार बिंद, सभी खिलाड़ियों ने बिंद समाज विकास संघ की सराहना करते हुए कहा की युवावो को खेल के माध्यम से जोड़ा जा सकता है।

तुलसीनगर में श्री नारायण धाम एवं पंच देव मंदिर का हुआ भूमिपूजन

वरिष्ठ समाजसेवक सुनील घरत ने दी मंदिर के लिए दान की भूमि

नालासोपारा। नालासोपारा पूर्व, बिलालपाड़ा, तुलसीनगर में वरिष्ठ समाजसेवक सुनिल घरत ने मंदिर के लिए भूमि दान की। जहां पर 14 जनवरी मंगलवार को श्री नारायण धाम एवं पंच देव मंदिर निर्माण के लिए भूमि का भूमि पूजन एवं शिलान्यास कमलेश पांडेय और निलेश पांडेय के हाथों हुआ। मंदिर का निर्माण सुशील सिंह उर्फ डब्बू की देख रेख में होगा।

श्री साईं विद्यालय एंड जूनियर कालेज के संस्थापक राजनाथ पाल ने बताया कि मकर संक्रांति के दिन शुभ मुहूर्त में श्री नारायण धाम एवं पंचदेव मंदिर की आधारशिला रखी गई। पंडित पुजारी बाबा ने वेद मंत्रों के साथ पूजा पाठ करवाई।

इस मौके पर राजेश शर्मा, कान्तु चौहान, मुकेश प्रजापति, मिथिलेश पांडेय,राजेश विश्वकर्मा, रिंकू शुक्ला, विनय शुक्ला,प्रदीप तिवारी,बृजेश पांडेय,पप्पू यादव, एडवोकेट दिनकर मिश्रा,रितेश, प्रदीप यादव,राजू सिंह,निर्मल सिंह, महेंद्र पाल, सुनिल कनौजिया, मोनू यादव लाइट वाले सहित तमाम तुलसी नगर के रहिवासी मौजूद थे।

इसकी जानकारी श्री साईं विद्यालय एंड जूनियर कालेज के संस्थापक राजनाथ पाल ने दी है।

ग्राहकों के लिए बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल की रणनीतिक भागीदारी

मुंबई। भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम सेवा प्रदाता भारती एयरटेल और देश की सबसे बड़ी निजी क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी बजाज फाइनेंस ने मिलकर भारत में वित्तीय सेवाओं के लिए सबसे बड़ा डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने और अंतिम उपभोक्ता तक वितरण में परिवर्तन लाने के लिए एक रणनीतिक भागीदारी की घोषणा की है। राजीव जैन, प्रबंध निदेशक, बजाज फाइनेंस ने कहा, ‘डेटा-आधारित क्रेडिट राइटिंग और वित्तीय समावेशन के केंद्र में भारत की डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र है। एयरटेल के साथ हमारी साझेदारी समावेशी विकास के लिए भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे का लाभ उठाती है और साथ ही भारत के दो प्रमुख और सबसे विश्वसनीय ब्रांडों की विशेषज्ञता और पहुंच को भी एक साथ लाती है। एयरटेल के साथ मिलकर काम करके, हम भारत के पसंदीदा वित्तदाता बनना चाहते हैं और ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में लाखों लोगों को वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाना चाहते हैं। हम इस साझेदारी को लेकर उत्सुक हैं, क्योंकि बजाज फाइनेंस एआई की शक्ति का उपयोग करके दक्षता बढ़ा रहा है और ग्राहक अनुभव को बेहतर बना रहा है। अब तक, बजाज फाइनेंस के दो उत्पाद एयरटेल थैंक्स ऐप पर परिक्षण के रूप में उपलब्ध हैं। मार्च तक, बजाज फाइनेंस के चार उत्पाद एयरटेल थैंक्स ऐप पर ग्राहकों के लिए उपलब्ध होंगे।